mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-30 अंक-71 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
14 मार्च 2026 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

एलपीजी संकट: पंजाब में सिलेंडर लेकर भागते दिखे लोग, 2 हजार का सिलेंडर 4 हजार में बिक रहा

● कांग्रेस का दिल्ली में चूल्हे लेकर प्रदर्शन ● विपक्ष का संसद के बाहर प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देशभर में LPG की किल्लत हो गई है। गैस एजेंसियों के बाहर लम्बी लाइनें हैं। गैस सिलेंडर की कालाबाजारी और जमाखोरी भी हो रही है।

कॉमर्शियल सिलेंडर की 4 दिन से सप्लाई नहीं हो पा रही है। वहीं पंजाब में लोग सिलेंडर लेकर भागते नजर आए। केरल में गैस किल्लत से करीब 40% रेस्टोरेंट बंद होने की कगार पर है।

उधर, दिल्ली में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने LPG सप्लाई की बिगड़ी स्थिति को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। विरोध जताने के लिए अपने साथ मिट्टी के चूल्हे लेकर आए थे।

राजस्थान: गैस सप्लाई ठप, सिलेंडर की शवयात्रा निकाली : होटल-रेस्टोरेंट में गैस का स्टॉक खत्म होने से बिजनेस ठप होने लगे हैं। कई जगह ताले भी लटकने लगे हैं। वहीं कोटा समेत कई शहरों में हॉस्टल मेस और ढाबों में मजबूरी में लकड़ी, कोयले और इलेक्ट्रिक चूल्हों पर खाना बनाया जा रहा है।कई शहरों में एजेंसियों पर सुबह 5 बजे से ही लंबी लाइनें लग रही हैं और सिलेंडर न मिलने पर लोगों की पुलिस से झड़प तक हो रही है। इस संकट के बीच सिलेंडर की कालाबाजारी भी हो रही है, जिसके विरोध में कांग्रेस ने जयपुर में सिलेंडर की शवयात्रा निकाली।

उत्तर प्रदेश: चूड़ी से लेकर पेठा फैक्ट्रियां तक बंद : यूपी में फैक्ट्रियों को गैस सप्लाई नहीं हो रही है। इसका असर पॉटरी, चूड़ी से लेकर पेठा फैक्ट्रियों तक पड़ रहा। बुलंदशहर में एशिया के सबसे बड़े पॉटरी उद्योग पर पड़ा है। यहां 300-325 यूनिट में से 95% पॉटरी यूनिट बंद हैं। 30 हजार से ज्यादा वर्कर्स बेरोजगार हो गए हैं। यही हाल फिरोजाबाद में बनने वाली चूड़ियों और आगरा की पेठा फैक्ट्रियों का है। गैस की सप्लाई नहीं मिलने से भट्ठियां बंद हैं। 55 बड़ी फैक्ट्रियों में से 40 बंद हो चुकी हैं। अगर गैस की सप्लाई शुरू नहीं हुई तो आगरा में बनने वाली चांदी की पायल पर भी संकट आ सकता है।

गांवों में 45 दिन बाद मिलेगा दूसरा घरेलू एलपीजी सिलेंडर

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से देशभर में LPG की किल्लत हो गई है। गैस एजेंसियों के बाहर लम्बी लाइनें हैं। गैस सिलेंडर की कालाबाजारी और जमाखोरी भी हो रही है, जिसे रोकने के लिए सरकार ने बुकिंग के नियमों में फिर से बदलाव किया है। अब ग्रामीण क्षेत्रों में सिलेंडर लेने के बाद अगला सिलेंडर 45 दिन बाद बुक किया जा सकेगा। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने संसद में बताया कि यह फैसला सप्लाई को बेहतर तरीके से मैनेज करने और बेवजह होने वाली 'पैनिक बुकिंग' को रोकने के लिए किया है। **55 दिन की बजाय 15 दिन में बुक करा रहे लोग :** गांवों में औसतन एक परिवार सालभर में करीब 5 सिलेंडर ही इस्तेमाल करता है। ऐसे में जल्दी दोबारा बुकिंग की जरूरत नहीं पड़ती थी।

प्रचलित मनुस्मृति के कुछ हिस्सों के ब्रिटिशकाल में संपादित होने की आशंका, पांडुलिपियों की जांच की मांग उठी

आईआईएमसी के प्रो. राकेश ने मूल पांडुलिपियों व दस्तावेजों की जांच की मांग की

लखनऊ, एजेंसी। मनुस्मृति को लेकर एक बार फिर बहस तेज होती दिखाई दे रही है। कुछ विद्वानों ने दावा किया है कि आज प्रचलित मनुस्मृति के कई हिस्से ब्रिटिश काल में संपादित या प्रक्षेपित किए गए हो सकते हैं। इस संदर्भ में भारतीय जनसंचार संस्थान (आईआईएमसी) के प्रो. राकेश उपाध्याय ने ऐतिहासिक दस्तावेजों और पांडुलिपियों की पुनः जांच कराने की मांग उठाई है। शुक्रवार को प्रो. राकेश उपाध्याय ने कहा कि मनुस्मृति के बारे में यह जानना जितना महत्वपूर्ण है कि इसे कब लिखा गया, उससे कहीं बड़ा प्रश्न यह है कि इसमें समय-समय पर संशोधन या प्रक्षेपण कब-कब हुए। बताया जा रहा है कि मनुस्मृति का पहला मुद्रित संस्करण ब्रिटिश शासनकाल में प्रिंटिंग प्रेस के माध्यम से प्रकाशित हुआ था। इतिहास के अनुसार 18वीं सदी में ब्रिटिश अधिकारियों के निर्देश पर इस ग्रंथ का संपादन और प्रकाशन कराया गया था। उस समय हिंदू समाज के लिए विधि-संहिता तैयार करने के उद्देश्य से विभिन्न पांडुलिपियों का संकलन कर एक समिति को सौंपा गया था। ऐसे में विद्वानों का आरोप है कि उस प्रक्रिया के दौरान मूल पांडुलिपियों की प्रमाणिकता की पर्याप्त जांच नहीं हुई और संभव है कि अलग-अलग स्रोतों से प्राप्त अंशों को जोड़कर ग्रंथ तैयार किया गया हो। इसी कारण मनुस्मृति में कुछ विरोधाभासी श्लोक भी देखने को मिलते हैं। संभवता इसीलिए मनुस्मृति के मूल स्वरूप और उसके वर्तमान संस्करण को लेकर नए प्रश्न उठ रहे हैं।

अब बिना लाइसेंस नहीं बेच पाएंगे दूध, होगी कड़ी कार्रवाई; मिलावट की घटनाओं को देखते हुए एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में दूध और डेरी उत्पादों में बढ़ती मिलावट की शिकायतों को देखते हुए भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने दूध उत्पादन और उसकी बिक्री के लिए लाइसेंस अनिवार्य कर दिया है। अब कोई भी व्यक्ति या संस्था बिना उचित पंजीकरण या लाइसेंस के दूध का कारोबार नहीं कर सकेगी।

डेरी सहकारी समितियों के सदस्यों को लाइसेंस नहीं लेना होगा यानी जो किसान या पशुपालक किसी रजिस्टर्ड सहकारी समिति से जुड़े हैं और उन्हें दूध देते हैं, उन्हें व्यक्तिगत रूप से अलग लाइसेंस लेने की आवश्यकता नहीं होगी। इसके लिए एफएसएसएआई ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राज्य खाद्य आयुक्तों को एडवाइजरी जारी की है। नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

एफएसएसएआई ने बताया कि कुछ दूध उत्पादक और दूध विक्रेता खुद को पंजीकृत किए बिना या लाइसेंस लिए बिना कारोबार कर रहे हैं। इसके लिए राज्य के खाद्य आयुक्तों से कहा गया है कि पंजीकरण-लाइसेंसिंग की जरूरतों का सख्ती से पालन किया जाए।

दो दिन के असम दौरे पर पीएम मोदी

गुवाहाटी पहुंचे पीएम मोदी, कोकराझार का दौरा रद्द:राज्य में 48,000 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन-शिलान्यास करेंगे

3 नई ट्रेनों की शुरुआत करेंगे

गुवाहाटी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार से दो दिन के असम दौरे पर हैं। दोपहर करीब 1.30 बजे वे गुवाहाटी पहुंचे। पीएम गुवाहाटी के अलावा कोकराझार और सिलचर का दौरा करने वाले थे, लेकिन खराब मौसम के चलते उनका कोकराझार का दौरान रद्द कर दिया गया है।

अब पीएम गुवाहाटी से सिलचर जाएंगे। यहां वे 47,800 करोड़ रुपए से ज्यादा के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

पीएम यहां से नॉर्थ ईस्ट के लिए 3 नई ट्रेनों की शुरुआत भी करेंगे। जारी शेड्यूल के मुताबिक पीएम शाम 5 बजे गुवाहाटी में करीब 19,680 करोड़ रुपए के कई प्रोजेक्ट्स देश को समर्पित करेंगे। यहीं से कोकराझार के 4570 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स की भी शुरुआत करेंगे।

14 मार्च को सुबह करीब 10:45 बजे प्रधानमंत्री सिलचर में भूमि पूजन करेंगे और करीब 23,550 करोड़ रुपए के अलग-अलग प्रोजेक्ट्स देश को समर्पित करेंगे।

पीएम ने X पर लिखा- राज्य की NDA सरकार तारीफ के काबिल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोशल मीडिया X पर एक पोस्ट में चाय किसानों को पट्टा वितरण को लेकर लिखा कि ये न्याय और सम्मान की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम। मैं इसके लिए असम में NDA सरकार की तारीफ करता हूं। हमें चाय बागान परिवारों की मेहनत पर गर्व है और हम हमेशा उनकी भलाई के लिए काम करेंगे।

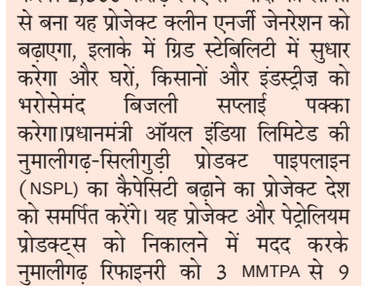

हाइड्रो प्रोजेक्ट के उद्घाटन से क्षेत्र के लोगों को फायदा

पीएम के असम के दीमा हसाओ और वेस्ट कार्बी आंगलोंग जिलों में मौजूद कोपिली हाइड्रो-इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट देश को समर्पित करेंगे। 2,300 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत से बना यह प्रोजेक्ट क्लीन एनर्जी जेनरेशन को बढ़ाएगा, इलाके में ग्रिड स्टेबिलिटी में सुधार करेगा और घरों, किसानों और इंडस्ट्रीज़ को भरोसेमंद बिजली सप्लाई पक्का करेगा। प्रधानमंत्री ऑयल इंडिया लिमिटेड की नुमालीगढ़-सिलीगुड़ी प्रोडक्ट पाइपलाइन (NSPL) का कैपेसिटी बढ़ाने का प्रोजेक्ट देश को समर्पित करेंगे। यह प्रोजेक्ट और पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स को निकालने में मदद करके नुमालीगढ़ रिफाइनरी को 3 MMTPA से 9 MMTPA तक बढ़ाने में मदद करेगा। प्रधानमंत्री इसके साथ ही रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करेंगे। इसमें लगभग 420 करोड़ रुपए की लागत से बनी रंगिया-मुरकोंगसेलेक रेल लाइन इलेक्ट्रिफिकेशन (558 km) और लगभग 1,180 करोड़ रुपये की लागत से बनी चपरमुख-डिब्रूगढ़ रेल लाइन इलेक्ट्रिफिकेशन (571 km) शामिल हैं।

पीरियड्स में पेड लीव की मांग

सुप्रीम कोर्ट बोला: कानून बनाया तो महिलाओं को कोई काम नहीं देगा

सरकार पॉलिसी बनाने पर विचार करे

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को देशभर में महिला छात्रों और कामकाजी महिलाओं को पीरियड्स में पेड लीव देने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई की। CJI सूर्यकांत ने कहा कि ऐसी याचिकाएं अनजाने में महिलाओं के बारे में बनी रूढ़ियों को और मजबूत कर सकती हैं।

CJI ने कहा- ये याचिकाएं डर पैदा करने के लिए, महिलाओं को हीन दिखाने के लिए, यह जताने के लिए दायर की जाती हैं कि पीरियड्स उनके साथ होने वाली कोई बुरी चीज है। यह उनका पॉजिटिव राइट है, लेकिन उस नियोक्ता के बारे में सोचिए, जिसे पेड लीव देनी होगी।

CJI सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने सुनवाई के दौरान मेंस्ट्रुअल लीव को अनिवार्य बनाने के संभावित सामाजिक परिणामों के बारे में चिंता जाहिर की। साथ ही याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने याचिकाकर्ता के अधिकार क्षेत्र पर भी सवाल उठाया और कहा कि इस मामले को लेकर खुद कोई महिला कोर्ट में नहीं आई है।

मेंस्ट्रुअल लीव का मुद्दा तीसरी बार कोर्ट लेकर पहुंचा याचिकाकर्ता : पेड मेंस्ट्रुअल लीव की याचिका लेकर शैलेंद्र मणि तीसरी बार सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। पहली याचिका का निपटारा फरवरी 2023 में किया गया था, जिसमें याचिकाकर्ता को केंद्रीय महिला एवं बाल मंत्रालय के समक्ष अपना पक्ष रखने की अनुमति दी गई थी। 2024 में याचिकाकर्ता ने फिर कोर्ट में याचिका लगाई और कहा कि मंत्रालय ने उनके पक्ष में दिए गए जवाब पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। उस याचिका का निपटारा जुलाई 2024 में किया गया था, जिसमें केंद्र सरकार से नीतिगत निर्णय लेने को कहा गया था।

पेड मेंस्ट्रुअल लीव पर सीजेआई के कमेंट्स

- मान लीजिए आप पूरे प्राइवेट सेक्टर को महीने में एक बार छुट्टी लेने का अधिकार देते हैं तो यह उनके विकास के लिए नुकसानदायक हो सकता है। आपको वर्क प्लेस पर बनने वाली मानसिकता का अंदाजा नहीं है।
- इस पर कानून बना तो महिलाओं के करियर को होने वाले नुकसान का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाएगा। कोई भी उन्हें जिम्मेदारियां नहीं देगा, यहां तक कि ज्यूडीशियल सर्विस में भी, उन्हें सामान्य मुकदमे नहीं सौंपे जाएंगे।
- हम निर्देश देते हैं कि सक्षम प्राधिकारी सुप्रीम कोर्ट के 24 फरवरी 2023 और 8 जुलाई 2024 के आदेशों के जरिए दिए गए निर्देशों पर विचार करे और एक नीति तैयार करे।

ट्रम्प बोले- ईरानी सरकार के लोगों को मारना सम्मानजनक: वे कई साल से निर्दोषों की हत्या कर रहे

न्यूयॉर्क टाइम्स पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया

तेल अवीव/ तेहरान, एजेंसी। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का आज 14वां दिन है। डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि ईरान की सरकार से जुड़े लोगों को मारना उनके लिए 'बहुत बड़ा सम्मान' है।

ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अमेरिका, ईरान की सरकार को हर तरह से कमजोर कर रहा है। उनके मुताबिक अमेरिका सैन्य और आर्थिक तरीके से ईरान पर दबाव बना रहा है।

ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान की नौसेना और वायुसेना को काफी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान की मिसाइल और ड्रोन क्षमता को तेजी से खत्म किया जा रहा है और उसके कई नेता मारे जा चुके हैं।

ट्रम्प ने यह भी कहा कि ईरान पिछले 47 साल से दुनिया भर में निर्दोष लोगों को मारता रहा है और अब मैं अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के तौर पर, उनके खिलाफ कार्रवाई कर रहा हूं। उन्होंने अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स की भी आलोचना की। ट्रम्प ने लिखा कि अमेरिका, ईरान के शासन को सैन्य, आर्थिक और दूसरे तरीकों से पूरी तरह तबाह कर रहा है, लेकिन अगर कोई न्यूयॉर्क टाइम्स पढ़े तो उसे लगेगा कि अमेरिका जीत ही नहीं रहा है।

संसदीय समिति की सिफारिश

मोची जूते के कारीगर और नाई कहलाएंगे सौंदर्य सेवा प्रदाता, जाति नहीं हुनर से हो पहचान

नई दिल्ली, एजेंसी। वह वक्त अब दूर नहीं जब समाज में सदियों से चली आ रही जाति-सूचक व्यावसायिक पहचान इतिहास बन जाएगी। अब मोची को जूते का कारीगर, कुम्हार को मिट्टी के उत्पाद निर्माता, धोबी लॉन्ड्री एवं क्लीनिंग सर्विस प्रोवाइडर और नाई को व्यक्तिगत सौंदर्य सेवा प्रदाता (पर्सनल केयर सर्विस प्रोवाइडर) के नाम से जाना जाएगा।

तिरुची शिवा की अध्यक्षता वाली उद्योग संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने सिफारिश की है कि व्यवसाय के नामों से जाति और क्षेत्र आधारित पहचान को तत्काल हटाकर उन्हें पेशा-निरपेक्ष बनाया जाए। समिति ने सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्योग (एमएसएमई) मंत्रालय को सुझाव दिया है कि इन व्यवसायों को जाति की संकीर्ण पहचान से निकालकर 'कार्य-आधारित' और गतिशील नाम दिए जाएं।

शिक्षा के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करेगा उत्तर प्रदेश: राजनाथ सिंह

लखनऊ, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश, एक व्यापक दृष्टि के साथ आगे बढ़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों में हम सबने देखा है कि राज्य ने सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। इन्फ्रास्ट्रक्चर, इन्वेस्टमेंट, इण्डस्ट्री और एजूकेशन इन सभी क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश ने नई गति प्राप्त की है। मुझे विश्वास है कि इसी प्रकार के प्रयासों के कारण, आने वाले वर्षों में उत्तर प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में भी, नए मानक स्थापित करेगा। यहाँ के शैक्षणिक संस्थान, केवल प्रदेश के ही नहीं बल्कि पूरे देश के छात्रों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेंगे।

केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को लखनऊ के गोल्फ सिटी में सिटी मान्टेसरी स्कूल के नए भवन का उदघाटन के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। राजनाथ सिंह ने कहा कि जब किसी शहर की पहचान, उसकी सड़कों और इमारतों से आगे बढ़कर, उसके शैक्षिक और सांस्कृतिक संस्थानों से बनने लगती है, तब वह शहर वास्तव में समाज के भविष्य को आकार दे रहा होता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि आज प्रदेश में, केवल स्कूल और कालेज खोलने पर ही ध्यान नहीं दिया जा रहा। यहाँ एक ऐसा इकोसिस्टम तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसमें बच्चे पढ़ाई के साथ-साथ, एक सकारात्मक सीखने का वातावरण विकसित हो सके। उन्होंने कहा स्कूल केवल ज्ञान देने की जगह नहीं होता, वह मनुष्य निर्माण की प्रयोगशाला भी होता है। वहाँ केवल गणित, विज्ञान या भाषा नहीं सिखाई जाती, वहाँ जीवन के मूल्य भी सिखाए जाते हैं। हमको अपने बच्चों के शिक्षा के साथ-साथ व्यक्तित्व पर भी ध्यान देना जरूरी है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य है कि व्यक्ति अपने ज्ञान का उपयोग केवल अपने लिए नहीं बल्कि समाज की प्रगति के लिए भी करे। बच्चे स्कूल में पढ़ते जरूर हैं लेकिन उनका व्यक्तित्व घर में बनता है। स्कूल उन्हें ज्ञान और अनुशासन देता है, जबकि घर उन्हें जीवन का अनुभव, संवेदनशीलता और संस्कार देता है। अच्छी नौकरी, अच्छा पैकेज या किसी प्रतिष्ठित संस्थान में प्रवेश मिल जाना ही जीवन की पूरी सफलता नहीं है। वास्तविक सफलता तब होती है, जब व्यक्ति अपने ज्ञान और विचारों से, समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सके। बच्चों को केवल अंक लाने के लिए नहीं बल्कि जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार करना जरूरी है।

चंडीगढ़ नगर निगम में 116 करोड़ के घोटाले में कार्रवाई, मास्टरमाइंड विक्रम वाधवा की रेंज रोवर मिली

चंडीगढ़, एजेंसी। नगर निगम के करीब 116 करोड़ रुपये के कथित वित्तीय घोटाले की जांच के दौरान चंडीगढ़ पुलिस ने मुख्य आरोपित विक्रम वाधवा की एक रेंज रोवर कार शहर से बरामद की है। हालांकि पुलिस के अनुसार इस पूरे मामले में अहम भूमिका निभाने का आरोप झेल रहे वाधवा अभी भी फरार हैं और उनकी तलाश जारी है। पुलिस जांच के मुताबिक घोटाले को अंजाम देने के लिए एक सुनियोजित तरीका अपनाया गया था। नगर निगम की ओर से फिक्स्ड डिपाजिट(एफडी) बनाने के लिए जारी किए गए चेक कथित तौर पर बैंक के आधिकारिक सिस्टम में दर्ज ही नहीं किए गए। जांच एजेंसियों को शक है कि इन पैसों को विक्रम वाधवा से जुड़े कारोबारों की ओर मोड़ दिया गया, जिससे कागजों में ऐसा प्रतीत हो कि नगर निगम ने सीधे इन कंपनियों को भुगतान किया है। आर्थिक अपराध शाखा(इओडब्ल्यू) की जांच में अब तक करीब 2400 लेन-देन का मनी ट्रेल सामने आया है। शुरुआती जांच के

अनुसार आरोपितों ने रकम को छिपाने के लिए कई परतों में लेन-देन किए और अलग-अलग व्यवसायों में भुगतान किया। इनमें ज्वेलरी दुकानों सहित कई अन्य विक्रेताओं को भी भुगतान किया गया। सूत्रों के अनुसार कई मामलों में भुगतान प्राप्त करने वाले लोगों को यह जानकारी नहीं थी कि उन्हें मिली राशि किसी घोटाले से जुड़ी हुई है।

सेक्टर-23 स्थित ज्वेलरी दुकानों से करोड़ों रुपये के आभूषण खरीदे गए। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी इन ज्वेलरी दुकानों पर छापेमारी कर जांच शुरू की है। पुलिस अब इन सभी लेन-देन का विश्लेषण कर पूरे मनी ट्रेल को जोड़ने और वास्तविक लाभार्थियों की पहचान करने में जुटी है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार अब तक सामने आए 2400 ट्रांजेक्शन के अलावा भी मनी ट्रेल और लंबा हो सकता है। साथ ही इस संभावना की भी जांच की जा रही है कि वाधवा को इस कथित घोटाले को अंजाम देने में किसी अन्य व्यक्ति का मार्गदर्शन या सहयोग मिला हो। यह मामला तब सामने आया जब नगर निगम ने चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड के खातों से धनराशि अपने खातों में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू की। इसी दौरान पता चला कि सेक्टर-32 स्थित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक शाखा से जारी करीब 116.84 करोड़ रुपये की फिक्स्ड डिपाजिट रसीदें (एफडीआर) कथित तौर पर फर्जी थीं। इसके बाद नगर निगम ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। यह कथित अनियमितताएं मार्च 2025 से मार्च 2026 के बीच हुईं। पुलिस ने मामले में तत्कालीन बैंक प्रबंधक सहित अन्य आरोपितों के खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश के आरोपों में मामला दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस की जांच का मुख्य फोकस पूरे मनी ट्रेल का पता लगाने और फरार आरोपित विक्रम वाधवा को पकड़ने पर है।

क्रेस्ट ने 80 करोड़ के लेन-देन में गड़बड़ी पर, ईओडब्ल्यू ने दर्ज किया मामला चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक्नोलाजी प्रमोशन सोसाइटी (क्रेस्ट) ने करीब 80 करोड़ रुपये के लेन-देन में संभावित अनियमितताओं की आशंका जताते हुए आर्थिक अपराध शाखा (इओडब्ल्यू) को शिकायत दी थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्रेस्ट की ओर से दी गई शिकायत में बताया गया है कि आईडीएफसी फर्स्ट बैंक से जुड़े लगभग 80 करोड़ रुपये के वित्तीय लेन-देन में संभावित गड़बड़ियां सामने आई हैं। हालांकि संस्था को यह राशि प्राप्त हो चुकी है, लेकिन पारदर्शिता बनाए रखने और किसी भी तरह की अनियमितता की संभावना को खत्म करने के लिए पूरे मामले की विस्तृत जांच की मांग की गई है।

हिमाचल के किन्नौर में बदला मौसम का मिजाज, ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हुआ ताजा हिमपात

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से जनजातीय जिला किन्नौर में मौसम का मिजाज अचानक बदल गया है। प्रदेश के रोहतांग, शिंकुला और बारालाचा दर्रों में हिमपात दर्ज किया गया है, जबकि किन्नौर के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भी ताजा बर्फबारी हुई है। जानकारी के अनुसार, किन्नौर के हांगो, नाको, नेसंग, आसरंग, चारंग तथा छितकुल सहित ऊंचाई वाले इलाकों में करीब एक इंच तक ताजा हिमपात हुआ है। वहीं निचले क्षेत्रों में हल्की बारिश दर्ज की गई। बर्फबारी और बारिश के कारण तापमान में भी दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई है। करीब डेढ़ महीने से जिले में सूखे जैसी स्थिति बनी हुई थी, जिससे किसान और बागवान चिंतित थे। अब बारिश और हिमपात होने से उन्हें काफी राहत मिली है और लोगों ने राहत की सांस ली है। साथ ही आने वाले दिनों में और बारिश होने की उम्मीद भी बढ़ गई है।

हिमाचल में नर्सरी से पहली कक्षा तक प्रवेश के लिए आयु सीमा निर्धारित

सरकारी और प्राइवेट स्कूलों पर लागू होगा समान नियम

शिमला, एजेंसी। स्कूल शिक्षा निदेशालय ने नर्सरी से पहली कक्षा तक प्रवेश के लिए आयु सीमा निर्धारित कर दी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में निहित प्रविधानों के अनुसार दाखिले की यह आयु सीमा निर्धारित की है। विभाग पहले भी इस पर आदेश जारी कर चुका है। नए शैक्षणिक सत्र से पहले अभिभावकों व स्कूलों की ओर से शिकायतें मिल रही थीं। सचिव शिक्षा राकेश कंवर ने वीरवार को नए आदेश जारी किए हैं। अब शैक्षणिक सत्र में प्रवेश के लिए आयु की गणना 30 सितंबर तक पूरी होने के आधार पर की जाएगी। अगर कोई बच्चा निर्धारित आयु 30 सितंबर तक पूरी कर लेता है तो उसे संबंधित

कक्षा में प्रवेश देने से इनकार नहीं किया जा सकेगा। सचिव की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि उदाहरण के तौर पर यदि किसी बच्चे की जन्मतिथि 15 अप्रैल, 2023 है और वह सत्र 2026-27 में बालवाटिका-एक में प्रवेश लेना चाहता है, तो वह पात्र माना जाएगा क्योंकि वह 30 सितंबर 2026 से पहले तीन वर्ष की आयु पूरी कर लेगा। विभाग की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि जो बच्चे वर्तमान सत्र में पहले से किसी प्री-प्राइमरी कक्षा में पढ़ रहे हैं और 30 सितंबर 2026 तक अगली कक्षा के लिए निर्धारित आयु पूरी कर लेते हैं, उन्हें अगली कक्षा में प्रवेश दिया जाएगा। यदि किसी बच्चे की जन्मतिथि 25 अगस्त 2020 है और वह इस समय बालवाटिका-दो या तीन में पढ़ रहा है तो उसे पहली कक्षा में प्रवेश मिल सकेगा, क्योंकि वह 30 सितंबर 2026 से पहले छह वर्ष की आयु पूरी कर लेगा।

सरकारी व निजी दोनों स्कूलों पर लागू होंगे नियम : यह संशोधित आयु मानदंड प्रदेश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों पर समान रूप से लागू होंगे। यदि कोई स्कूल इन नियमों का उल्लंघन करता है तो अभिभावक संबंधित जिले के उपनिदेशक प्रारंभिक शिक्षा के पास अपील कर सकते हैं। सरकार ने सभी स्कूलों को निर्देश दिए हैं कि इन नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए।

लक्ष्मी भंडार योजना पर सरकार सख्त, नहीं किया ये काम तो इस महीने खाते में नहीं आएंगे पैसे

कोलकाता, एजेंसी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सबसे महत्वाकांक्षी और लोकप्रिय 'लक्ष्मी भंडार' योजना को लेकर नवान्न (राज्य सचिवालय) ने नियमों में कड़ाई बरतने का फैसला किया है। नए दिशा-निर्देशों के अनुसार, यदि लाभार्थी निर्धारित मापदंडों को पूरा नहीं करते हैं, तो इसी महीने से ही उनके बैंक खाते में आने वाली राशि रोकी जा सकती है। प्रशासन की इस सख्ती से राज्य के हजारों लाभार्थियों पर संकट मंडरा रहा है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि अब इस योजना का लाभ केवल उन्हीं महिलाओं को मिलेगा जिनका बैंक खाता उनके आधार कार्ड से लिंक है।

आधार सीडिंग न होने की स्थिति में भुगतान प्रक्रिया स्वतः बाधित हो जाएगी। इसके अलावा, एक महत्वपूर्ण बदलाव 'सिंगल बैंक अकाउंट' को लेकर किया गया है। अब संयुक्त खाते में योजना की राशि नहीं भेजी जाएगी; इसके लिए लाभार्थी के नाम पर व्यक्तिगत बैंक खाता होना अनिवार्य है। पात्रता की शर्तों को दोहराते हुए कहा गया है कि आवेदन करने वाली महिला की उम्र 25 से 60 वर्ष के बीच होनी चाहिए। 60 वर्ष की आयु पूर्ण होते ही लाभार्थी को वृद्धावस्था पेंशन के लिए आवेदन करना होगा। साथ ही, यदि परिवार का कोई सदस्य सरकारी नौकरी या पेंशन का लाभ ले रहा है, तो वे इस योजना के पात्र नहीं होंगे। दस्तावेजों में किसी भी प्रकार की विसंगति पाए जाने पर खाता तत्काल प्रभाव से रद कर दिया जाएगा।

गाजियाबाद में बनेंगे दो नए एमआरएफ सेंटर, 300 टन कचरे का होगा रोजाना निस्तारण

गाजियाबाद, एजेंसी। शहर में बढ़ती ठोस कचरा समस्या के समाधान के लिए नगर निगम दो नये मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) सेंटर स्थापित करेगा। ये सेंटर रेत मंडी और अकबरपुर बहरामपुर क्षेत्र में बनाए जाएंगे। यहां कचरे को दोबारा उपयोग और रिसाइक्लिंग के लिए तैयार किया जाएगा। शहर में प्रतिदिन लगभग 1800 से 2000 टन ठोस कचरा निकलता है। सेंटरों के शुरू होने के बाद कचरे को आधुनिक मशीनों और प्रशिक्षित कर्मियों की मदद से विभिन्न श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाएगा। इसमें प्लास्टिक, धातु, कागज, गत्ता और कांच को अलग करके रिसाइक्लिंग इकाइयों तक भेजा जाएगा। जिससे लैंडफिल पर जाने वाले कचरे की मात्रा कम हो सकेगी। कचरे की छंटाई के लिए कन्वेयर बेल्ट आधारित प्रणाली का इस्तेमाल किया जाएगा। कन्वेयर बेल्ट एक ऐसी मशीन प्रणाली होती है, जिसका उपयोग सामान या सामग्री को एक स्थान से दूसरे स्थान तक लगातार ले जाने के लिए किया जाता है। इसमें एक लंबी चलने वाली बेल्ट लगी होती है जो मोटर की मदद से घूमती रहती है। इस पूरे प्रोसेस की ऑनलाइन मॉनिटरिंग भी की जा सकेगी। जिससे कचरे के निस्तारण और प्रोसेसिंग की निश्चित समय की जानकारी उपलब्ध रहेगी। रेत मंडी स्थित सेंटर में प्रतिदिन लगभग 250 टन कचरा और अकबरपुर बहरामपुर सेंटर में करीब 50 टन कचरा प्रतिदिन निस्तारण किया जाएगा।

फिर बढ़ा टैरिफ का खतराः अमेरिका ने भारत समेत 16 व्यापारिक साझेदार देशों के खिलाफ शुरू की जांच

वाशिंगटन, एजेंसी। वैश्विक व्यापार में एक बार फिर तनाव बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने भारत समेत 16 प्रमुख व्यापारिक साझेदार देशों के खिलाफ नई जांच शुरू की है। अमेरिका का आरोप है कि इन देशों की व्यापारिक नीतियां अमेरिकी उद्योगों को नुकसान पहुंचा रही हैं और इससे अमेरिकी बाजार पर दबाव बढ़ रहा है। यह जांच 1974 के अमेरिकी व्यापार अधिनियम की धारा 301 के तहत की जा रही है।

यह वही कानून है जिसके तहत अमेरिका किसी देश की व्यापारिक नीतियों को अनुचित मानते हुए एकतरफा टैरिफ बढ़ा सकता है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने कहा कि इस जांच का मकसद यह पता लगाना है कि इन देशों की

नीतियां अमेरिकी व्यापार के लिए नुकसानदेह हैं या नहीं।

किन देशों के खिलाफ शुरू हुई जांच : अमेरिका ने जिन देशों के खिलाफ जांच शुरू की है उनमें भारत, चीन, बांग्लादेश, कंबोडिया, यूरोपीय संघ, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मेक्सिको, नॉर्वे, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, ताइवान, मलयेशिया, थाईलैंड और वियतनाम शामिल हैं।

अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि इन देशों की औद्योगिक नीतियों के कारण वैश्विक बाजार में अत्यधिक उत्पादन हो रहा है और इसका असर अमेरिकी उद्योगों पर पड़ रहा है।

जांच का मुख्य उद्देश्य क्या है : अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने कहा कि जांच का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना है कि इन देशों की नीतियां अमेरिकी कंपनियों के लिए अनुचित या भेदभावपूर्ण तो नहीं हैं। इसके साथ ही यह भी देखा जाएगा कि क्या इन नीतियों के कारण अमेरिकी व्यापार पर बोझ पड़ रहा है या उसका विस्तार सीमित हो रहा है। जांच में विनिर्माण क्षेत्र में अतिरिक्त उत्पादन और क्षमता से जुड़े मुद्दों पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

टैरिफ बढ़ाने की तैयारी क्यों : अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि वह अपने औद्योगिक आधार को कमजोर नहीं होने देगा। अधिकारियों के मुताबिक कई देशों में अतिरिक्त उत्पादन को अमेरिकी बाजार में निर्यात किया जा रहा है।

ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई कोमा में

एयर स्ट्राइक में गंभीर रूप से घायल होने की रिपोर्ट

तेहरान, एजेंसी। ईरान के नए नियुक्त सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई के बारे में खबर है कि वह कथित तौर पर कोमा में हैं। सूत्रों के अनुसार एक हवाई हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बाद उनका एक पैर काटना पड़ा है। यह दावा ब्रिटेन के टैबलॉयड अखबार द सन की एक रिपोर्ट में किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार 56 वर्षीय मोजतबा खामेनेई उस एयर स्ट्राइक में बुरी तरह घायल हो गए थे, जिसमें उनके पिता और ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत हो गई थी। बताया गया है कि हमले के बाद उन्हें गंभीर हालत में तेहरान में इलाज के लिए ले जाया गया। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि उन्हें 28 फरवरी को हुए उसी एयर स्ट्राइक में चोटें आईं, जिसमें 86 वर्षीय अली खामेनेई की हत्या हुई थी या किसी अन्य हमले में। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड

ट्रंप ने ईरान के नए सुप्रीम लीडर की स्थिति को लेकर बड़ा बयान दिया है। फॉक्स न्यूज रेडियो से बातचीत के दौरान जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि मोजतबा खामेनेई जीवित हैं, तो उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि वह शायद जिंदा हैं, लेकिन संभव है कि उन्हें गंभीर चोटें आई हों।

बेहद गंभीर हालत में होने का दावा : सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि मोजतबा खामेनेई को हमले में बेहद गंभीर चोटें आई। उनके शरीर को भारी नुकसान पहुंचा है, जिसमें कम से कम एक पैर खोना शामिल है। इसके अलावा उनके पेट या लीवर में भी गंभीर क्षति होने की बात कही गई है।

कहां और कैसे चल रहा मोजतबा का इलाज : रिपोर्ट में कहा गया है कि मोजतबा खामेनेई इस समय सीना विश्वविद्यालय अस्पताल, तेहरान में कड़ी सुरक्षा के बीच इलाज करा रहे हैं। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि उनकी हालत बेहद गंभीर है। बताया गया है कि जिस अस्पताल यूनिट में उनका इलाज चल रहा है उसे पूरी तरह सील कर दिया गया है और वहां भारी सुरक्षा तैनात है। रिपोर्ट के अनुसार ईरान के स्वास्थ्य मंत्री और अनुभवी ट्रॉमा सर्जन मोहम्मद रजा जफरगंडी इलाज की निगरानी कर रहे हैं।

मोजतबा का संदेश आया सामने : इस बीच ईरान के सरकारी मीडिया ने नेतृत्व की निरंतरता दिखाने की कोशिश करते हुए एक बयान प्रसारित किया, जिसे मोजतबा खामेनेई का सत्ता संभालने के बाद पहला संदेश बताया गया।

नोएडा में कारोबारी से तीन करोड़ रुपये की धोखाधड़ी, कोर्ट के आदेश पर दो के खिलाफ केस दर्ज

नोएडा, एजेंसी। दुबई में रहने वाले कारोबारी को जानकार समेत दो लोगों को पूरी रकम लिए बिना सेक्टर 18 की संपत्ति पर कब्जा देना भारी पड़ गया। दोनों ने सौदे के मुताबिक न तो पूरी रकम चुकाई और न ही अब संपत्ति पर कब्जा लौटा रहे हैं। कारोबारी के विरोध करने पर धमकी दे रहे हैं। कारोबारी ने कोर्ट के आदेश पर दोनों आरोपितों के खिलाफ सेक्टर 20 थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। नोएडा सेक्टर 76 स्थित आम्रपाली सिलिकन सोसायटी के रहने वाले शाकिर हुसैन दुबई में कारोबार करते हैं। उन्होंने सितंबर 2016 में बैंक से

नीलाम सेक्टर 18 में एक संपत्ति खरीदी थी। वह दिल्ली रानीबाग के नवीन सचदेवा को करीब 10 साल से जानते हैं। उसको समय-समय पर रकम उधार भी देते रहते हैं। नवीन ने दिल्ली हरीनगर के भरत मेहता संग मिलकर 2019 में नौ करोड़ रुपये में संपत्ति का सौदा किया था। एग्रीमेंट टू सेल में तय हुआ कि इस रकम में से तीन करोड़ रुपये नवीन व शेष छह करोड़ रुपये भरत द्वारा दिए जाएंगे। आरोप है कि दोनों ने छह करोड़ रुपये देकर संपत्ति पर कब्जा ले लिया। उसके बाद शाकिर ने शेष रकम देने और बैनामा कराने को बोला तो आरोपित टरकाते रहे। 2021 में आरोपितों ने चाल चली। शाकिर को छह करोड़ रुपये वापस देकर संपत्ति लेने को बोला। शाकिर ने छह करोड़ रुपये का चेक भरत को दिया तो दोनों ने इस प्रस्ताव को भी रद्द कर दिया। अब आरोपित ने तो बकाया रकम दे रहे हैं और न ही संपत्ति पर कब्जा दे रहे हैं। इस बारे में बात करने पर अभद्रता करते हैं और धमकी देते हैं। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की। एसीपी प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर नवीन व भरत के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

युद्ध से ईरान में मानवीय संकट गहरायाः 32 लाख लोग विस्थापित

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। अमेरिका और इस्राइल के लगातार हवाई हमलों के बीच ईरान में मानवीय संकट तेजी से गहराता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचसीआर) के अनुसार युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक करीब 32 लाख लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हो चुके हैं, जिनमें बड़ी संख्या तेहरान और अन्य बड़े शहरों से सुरक्षित इलाकों की ओर पलायन कर रही है। एजेंसी ने चेतावनी दी है कि यदि हमले जारी रहे तो विस्थापन का यह आंकड़ा और तेजी से बढ़ सकता है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) ने गुरुवार को कहा कि 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान के खिलाफ शुरू किए गए सैन्य अभियान के बाद से अब तक लगभग 32 लाख लोग विस्थापित हो चुके हैं। एजेंसी के अनुसार यह संख्या करीब 6 लाख से 10 लाख ईरानी

परिवारों के बराबर है। यूएनएचसीआर की अधिकारी अयाकी इतो ने कहा कि अधिकांश लोग तेहरान और अन्य बड़े शहरी इलाकों से निकलकर देश के उत्तरी हिस्सों और ग्रामीण क्षेत्रों की ओर जा रहे हैं, जहां वे अपेक्षाकृत सुरक्षित माहौल की तलाश कर रहे हैं।

और बढ़ सकता है आंकड़ा : इतो ने कहा कि अगर युद्ध जारी रहता है तो विस्थापन का आंकड़ा और बढ़ सकता है, जिससे मानवीय जरूरतों में चिंताजनक वृद्धि होगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युद्धविराम और तनाव कम करने की अपीलों के बावजूद अमेरिका और इस्राइल की सेनाएं ईरान में हमले जारी रखे हुए हैं। बृहस्पतिवार को राजधानी तेहरान समेत कई शहरों में जोरदार विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। पूर्वी तेहरान के एक प्रभावित इलाके में कई बहुमंजिला इमारतें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। अल जजीरा के संवाददाता तोहिद असदी ने बताया कि बचावकर्मी मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए लगातार राहत कार्य चला रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने मलबे से कई शव निकलते देखे।

जवाबी हमले और वैश्विक ऊर्जा संकट की आशंका : ईरान ने भी अमेरिका-इस्राइल हमलों के जवाब में मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और अन्य लक्ष्यों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमले किए हैं।इसके साथ ही ईरान ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया है, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग माना जाता है। इस जलमार्ग से दुनिया के कुल तेल परिवहन का लगभग एक-पांचवां हिस्सा गुजरता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह मार्ग लंबे समय तक बंद रहता है तो वैश्विक तेल आपूर्ति और ऊर्जा बाजार पर गंभीर असर पड़ सकता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक और रणनीतिक तनाव और बढ़ने की आशंका है।

अस्पतालों और स्वास्थ्य व्यवस्था पर बढ़ता दबाव : ईरान के उप स्वास्थ्य मंत्री अली जाफरियान ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हाल के दिनों में शहरी इलाकों पर हमलों के तेज होने के कारण घायलों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।उन्होंने कहा कि घायल होने वालों में अधिकांश आम नागरिक हैं। जाफरियान के मुताबिक हमलों में 30 से अधिक अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, जिससे चिकित्सा सेवाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है।

मेरठ-बागपत बाईपास के होटल में पुलिस का छापा

मेरठ, एजेंसी। मेरठ-बागपत बाईपास स्थित होटलों में चल रहे अनैतिक कार्यों के खिलाफ पुलिस ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है। बृहस्पतिवार शाम सूचना पर पुलिस ने एक होटल पर छापा मारा। जहां से चार युवतियों और तीन युवकों को संदिग्ध परिस्थितियों में हिरासत में लिया गया है। इस कार्रवाई से बाईपास क्षेत्र के अन्य होटल संचालक अपने प्रतिष्ठान बंद कर भाग गए। जानी थाना क्षेत्र के अंतर्गत बाईपास पर स्थित कुछ होटलों में अनैतिक कार्य हो रहा है। बृहस्पतिवार शाम छह बजे किसी व्यक्ति ने पुलिस को डायल 112 पर कॉल कर एक होटल में संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी दी। पुलिस ने सूचना पर होटल की घेराबंदी कर छापा मारा। होटल के कमरों की तलाशी के दौरान पुलिस ने मौके से तीन युवक और चार युवती को पकड़ा। पकड़े गए युवकों और युवतियों के पास से कोई संतोषजनक जवाब न मिलने पर पुलिस उन्हें हिरासत में लेकर थाने ले आई। देर रात तक जानी थाने में हिरासत में लिए गए सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

किसान कल्याण 3 दिवसीय प्रशिक्षण-सह-भ्रमण कार्यक्रम शुरू

अध्ययन भ्रमण से किसानों को मिलेगी आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासन द्वारा घोषित किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत किसानों को उन्नत कृषि एवं उद्यानिकी तकनीकों की जानकारी देने के उद्देश्य से एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना के तहत तीन दिवसीय कृषक प्रशिक्षण-सह-भ्रमण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया इस कार्यक्रम के तहत जिले के सभी विकासखंडों से चयनित 40 किसानों के दल को उद्यानिकी विभाग द्वारा अध्ययन एवं प्रशिक्षण के लिए सीधी से जबलपुर रवाना किया गया। विधायक रीती पाठक ने कार्यालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर कृषक दल को अध्ययन भ्रमण के लिए रवाना किया इस अवसर पर रीती पाठकने कहा कि किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत सरकार किसानों को नई और आधुनिक तकनीकों से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है उन्होंने

कहा कि ऐसे प्रशिक्षण और अध्ययन भ्रमण से किसानों को वैज्ञानिक खेती, उन्नत किस्मों के उपयोग और आधुनिक प्रबंधन तकनीकों की प्रत्यक्ष जानकारी मिलती है उन्होंने किसानों से अपील की कि भ्रमण के दौरान प्राप्त अनुभवों को अपने खेतों में अपनाकर उत्पादन बढ़ाएं और अन्य किसानों को भी इसके लिए प्रेरित करें भ्रमण कार्यक्रम के दौरान कृषक दल जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर में उद्यानिकी फसलों से संबंधित आधुनिक तकनीकों का अध्ययन करेगा। इसके अलावा किसानों को सब्जी उत्पादन, फलोद्यान प्रबंधन, दुग्ध उत्पादन और प्रसंस्करण से जुड़ी उन्नत विधियों की जानकारी विशेषज्ञों द्वारा दी जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 13 मार्च 2026 को कृषक दल सीधी से रीवा पहुंचकर कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) और कृषि महाविद्यालय का भ्रमण करेगा इसके बाद दल रीवा से जबलपुर के लिए प्रस्थान कर वहां रात्रि विश्राम करेगा 14 मार्च 2026 को किसानों को जबलपुर में जेएनकेवीवी के सब्जी प्रक्षेत्र, फलोद्यान और दुग्ध उत्पादन इकाइयों का भ्रमण कराया जाएगा।

निर्माण कार्य प्रारंभ करने की सूचना देना अनिवार्य

सूचना नहीं देने पर हो सकती है कार्यवाही

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। श्रम विभाग ने निर्माण स्थलों पर सुरक्षा और श्रमिकों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं सहायक श्रम पदाधिकारी ने बताया कि भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत निर्माण स्थलों पर श्रमिकों के लिए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था तथा सुरक्षा अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं उन्होंने बताया कि श्रम सेवा पोर्टल मोबाइल एप के माध्यम से निर्माण स्थलों का पंजीयन,कर्मचारियों की संख्या, स्थल (लोकेशन) सहित अन्य आवश्यक जानकारी एकत्र की जा रही है इस पोर्टल के जरिए नियोजक श्रमिकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी भी दर्ज कर सकते हैं। 30 दिन पहले देना होगा निर्माण की सूचना भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण अधिनियम, 1996 के प्रावधानों के अनुसार किसी भी भवन या अन्य निर्माण कार्य को प्रारंभ करने से कम से कम 30 दिन पहले संबंधित क्षेत्र के निरीक्षक को निर्माण स्थल, सुरक्षा उपायों सहित सभी आवश्यक जानकारी देना अनिवार्य है निर्माण कार्य की सूचना एमपीबीओसीडब्ल्यू के ऑनलाइन पोर्टल या जिला श्रम कार्यालय के माध्यम से दी जा सकती है यदि नियोजक द्वारा निर्माण कार्य प्रारंभ करने की सूचना नहीं दी जाती है तो निरीक्षण के दौरान इसे नियमों का उल्लंघन माना जाएगा और संबंधित नियोक्ता के खिलाफ जुर्माना या अन्य कानूनी कार्रवाई की जा सकती है अधिनियम के अनुसार धारा 46 के तहत सूचना नहीं देने पर तीन माह तक का कारावास या दो हजार रुपये तक का जुर्माना अथवा दोनों दंड दिए जा सकते है शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर जारी विभाग ने बताया कि किसी भी निर्माण स्थल की जानकारी या शिकायत दर्ज कराने के लिए कंट्रोल रूम के टोल फ्री नंबर 18002338888 पर संपर्क किया जा सकता है यदि किसी निर्माण कार्य का पंजीयन नहीं कराया गया है तो नागरिक इस नंबर पर सूचना देकर शिकायत दर्ज करा सकते हैं इसके अलावा जिला स्तर पर श्रम निरीक्षक के मोबाइल नंबर 9685226861 पर भी निर्माण कार्य से संबंधित

धनेन्द्र द्विवेदी बने जिला कांग्रेस पर्यावरण प्रकोष्ठ के अध्यक्ष, लोगो ने दी बधाई एवं शुभकामनाएं

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा सरपंच ग्राम पंचायत जोन्हा व पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ब्लॉक जवा धनेंद्र द्विवेदी को जिला कांग्रेस कमेटी पर्यावरण प्रकोष्ठ रीवा ग्रामीण का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया जिनके नियुक्त होने पर कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है हर्ष व्यक्त करने वाले में सिरमौर क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेस नेता व पूर्व राज्यसभा सांसद राजमणि पटेल, बृजेंद्र कुमार पाण्डेय, मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश पटेल,ब्लॉक कांग्रेस कमेटी डभौरा के पूर्व अध्यक्ष अरुण सिंह पिंटू, शिव बालक पांडेय,अनिल गुप्ता ब्लॉक अध्यक्ष डभौरा, विश्वनाथ सिंह, रूपांजलि चौरसिया अध्यक्ष महिला कांग्रेस डभौरा, डॉ.अरुणेंद्र शेखर मिश्रा, रामनरेश तिवारी, धनेंद्र पांडेय नत्थू, ललन मिश्रा, व्हीसी साहू शशि भूषण मिश्रा, उमाशंकर दुबे, रामनिवास पाण्डेय, नन्हकू यादव, भोला रजक, गुमान सिंह, लाल बहादुर साहू, राजबहादुर पटेल, संत प्रसाद मिश्र, जोखू लाल कोल,सरदार अली, कुशमेन्द्र सिंह सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हैं।

तीन दिन के भीतर नहर में पहुंचेगा पानी

बहुती कैनाल की समस्याओं को लेकर सैकड़ों किसानों का धरना, बाणसागर अधिकारियों ने दिया आश्वासन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बाणसागर परियोजना अंतर्गत बहुती कैनाल की विभिन्न समस्याओं को लेकर शुक्रवार को क्षेत्र के सैकड़ों किसानों ने जिला पंचायत सदस्य वार्ड क्रमांक 15 का. लालमणि त्रिपाठी के नेतृत्व में मुख्य कार्यपालन यंत्री बाणसागर परियोजना रीवा के कार्यालय के सामने धरना-प्रदर्शन किय पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित इस आंदोलन में किसानों ने नहरों में पानी नहीं छोड़े जाने तथा अधूरे निर्माण कार्यों को लेकर गहरा आक्रोश व्यक्त किया प्रदर्शन के दौरान बाणसागर परियोजना के अधिकारी मौके पर पहुंचे और किसानों से चर्चा करते हुए आश्वासन दिया कि तीन दिन के भीतर वितरक नहर में पानी छोड़ने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाएगी। इस संबंध में किसानों ने मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन के नाम संबोधित ज्ञापन अनुविभागीय अधिकारी के प्रतिनिधि तहसीलदार हुजूर, यतीश शुक्ला को सौंपा। इस दौरान बाणसागर परियोजना (नहर) के एसडीओ राजेन्द्र सिंह और सुनील शर्मा भी मौजूद रहे धरना को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सदस्य लालमणि त्रिपाठी ने कहा कि बाणसागर योजना अंतर्गत बहुती कैनाल से जुड़ी कई महत्वपूर्ण समस्याएं लंबे समय से लंबित हैं जिनका सीधा असर क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों पर पड़ रहा है उन्होंने बताया कि पुरवा से रतहरा तक बनने वाली वितरक नहर का निर्माण कार्य अब तक पूरा नहीं हो सका है जबकि इसका निर्माण कई वर्ष पहले शुरू हुआ था वर्तमान में पुरवा से हटवा तक नहर का निर्माण पूरा हो चुका है और बीते वर्षों में इस हिस्से में नियमित रूप से पानी छोड़ा जाता रहा है जिससे किसानों की फसलों की सिंचाई होती थी और आसपास के जलस्रोतों में भी पानी का स्तर बना रहता था उन्होंने कहा किचालू रबी सीजन में नहर में एक बूंद भी पानी नहीं छोड़ा गया जिससे किसानों की फसलें प्रभावित हो रही हैं और क्षेत्र में जलस्तर गिरने लगा है यदि जल्द पानी नहीं छोड़ा गया तो किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है और आने वाले समय में पेयजल संकट भी उत्पन्न हो सकता है।

ग्राम पैकनगांव की श्यामवती सिंह का सफल

बच्चेदानी ऑपरेशन, अस्पताल स्टाफ ने बचाई जान

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। अस्पताल के चिकित्सा प्रमुख ने बताया कि श्यामवती पिछले कुछ समय से गर्भाशय संबंधित जटिलताओ से परेशान थीं प्रारंभिक जांच में डॉक्टरों ने ऑपरेशन की सलाह दी और सभी आवश्यक प्रारंभिक परीक्षण और स्वास्थ्य मूल्यांकन के बाद ऑपरेशन की प्रक्रिया तय की गई ऑपरेशन के दौरान आधुनिक चिकित्सा उपकरणों का उपयोग किया गया और टीम ने हर चरण में सतर्कता और सावधानीबरती, जिससे प्रक्रिया पूरी तरह सुरक्षित और सफल रही। ऑपरेशन के बाद मरीज की स्थिति स्थिर बनी हुई है और डॉक्टरों का कहना है कि उचित देखभाल और स्वास्थ्य प्रबंधन के साथ वह जल्द ही पूरी तरह स्वस्थ हो जाएंगी अस्पताल के स्टाफ ने मरीज और उनके परिवार को ऑपरेशन के बाद की देखभाल, दवाईयों और जीवनशैली में बदलाव के संबंध में भी विस्तृत जानकारी दी इस सफल ऑपरेशन से न केवल मरीज और उनके परिवार में राहत और खुशी का माहौल बना है बल्कि यह एनएमएलटी स्पेशलिटी अस्पताल में उपलब्ध उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाओं का भी उदाहरण है अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि मरीज की सुरक्षा और स्वास्थ्य उनकी प्राथमिकता है और सभी मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा प्रदान करने का प्रयास जारी रहेगा श्यामवती के परिवार ने अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों की टीम का धन्यवाद किया इस सफलता ने साबित कर दिया कि सटीक चिकित्सकीय सलाह, अनुभवी डॉक्टर और आधुनिक उपकरण मिलकर किसी भी जटिल ऑपरेशन को सुरक्षित और सफल बना सकते हैं यह घटना जिले में महिला स्वास्थ्य और सुरक्षित चिकित्सा प्रबंधन के लिए एक प्रेरक उदाहरण के रूप में सामने आई है।

माँ कर्मा जयंती का दो दिवसीय भव्य महोत्सव

भव्य शोभायात्रा, भजन संध्या और विशाल भंडारे के साथ होगा ऐतिहासिक आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। साहू युवा संगठन द्वारा समाज की आराध्य देवी माँ कर्मा की जयंती के अवसर पर इस वर्ष दो दिवसीय भव्य माँ कर्मा जयंती महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है आयोजन की तैयारियों और कार्यक्रम की रूपरेखा को लेकर साहू युवा संगठन के अध्यक्ष बंसीलाल साहू ने पत्रकार वार्ता आयोजित कर विस्तृत जानकारी दी उन्होंने बताया कि यह आयोजन रीवा संभाग का अब तक का सबसे बड़ा और ऐतिहासिक कार्यक्रम होगा जिसमें मध्यप्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री सहित कई विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे महोत्सव के प्रथम दिवस 14 मार्च को दोपहर में बैजू धर्मशाला से कार्यक्रम का शुभारंभ होगा यहां से एक भव्य और विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी

जिसमें आकर्षक झांकियां शामिल होंगी शोभायात्रा के माध्यम से समाज में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का प्रेरणादायी संदेश भी दिया जाएगा यह शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए धोबिया टंकी चौराहे पर समाप्त होगी जिसमें समाज के हजारों लोग भाग लेंगे।

15 मार्च को दोपहर 12 बजे से कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा इस अवसर पर रायपुर (छत्तीसगढ़) से आने वाली सुप्रसिद्ध भजन गायिका हिना सिंह द्वारा भजन संध्या प्रस्तुत की जाएगी जिसमें माँ कर्मा के भजनों से वातावरण भक्तिमय हो जाएगा इसी दिन दोपहर 12 बजे सेमाँ कर्मा के महाभोग 'खिचड़ी प्रसाद के साथ विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे उपमुख्यमंत्री सहित कई विशिष्ट अतिथि होंगे शामिल इस भव्य आयोजन में मध्यप्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्लमुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे इसके अलावा रामनिवास शाह (विधायक, सिंगरौली), नरेंद्र साहू (प्रदेश अध्यक्ष, भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा), सहित कई विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी एवं प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष जगन्नाथ साहू करेंगे। आयोजन में रीवा संभाग के सभी जिला अध्यक्ष, समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी, प्रतिष्ठित नागरिक और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि भी भाग लेंगे।

स्कॉर्पियो ने दो मजदूरों को कुचला, दोनों मृतक ग्रेनाइट लगाने का काम करते थे

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शहर में देर रात पटेल पुल के पास एक दर्दनाक हादसा हो गया तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने दो मजदूरों को अपनी चपेट में ले लिया जिससे दोनों की मौत हो गई ये दोनों मजदूर सतना जिले के रहने वाले थे और सीधी में घरों और दुकानों में पत्थर (ग्रेनाइट) लगाने का काम करते थे हादसा रात के करीब 2 बजे का बताया जा रहा है दोनों मजदूर बस से उतरकर सड़क पार कर रहे थे तभी काले रंग की एक स्कॉर्पियो काल बनकर आई और उन्हें जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों मजदूर सड़क पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़े टक्कर मारने के बाद ड्राइवर गाड़ी लेकर मौके से भाग निकला स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को खबर दी लेकिन जब तक उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया तब तक दोनों की जान जा चुकी थी रात भर दोनों शवों की पहचान नहीं हो पाई थी। शुक्रवार दोपहर 3 बजे के करीब जब पुलिस ने जांच पड़ताल की तब जाकर पता चला कि मृतकों के नाम बसंत यादव (40 वर्ष) और रामभुवन सिंह (65 वर्ष) हैं दोनों सतना जिले के निवासी थे और रोजी-रोटी के चक्कर में सीधी आए हुए थे। कोतवाली थाना प्रभारी अभिषेक उपाध्याय ने बताया कि पुलिस ने मामले की बारीकी से जांच शुरू कर दी है घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया जिसमें एक काले रंग की स्कॉर्पियो संदिग्ध हालत में भागती हुई नजर आ रही है पुलिस का कहना है कि गाड़ी की पहचान लगभग हो चुकी है।

जनहित के कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर होगी कड़ी कार्यवाही

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। रीवा संभाग के कमिश्नर बी.एस. जामोद ने कलेक्ट्रेट सभागार सीधी में आयोजित बैठक में शासन की उच्च प्राथमिकता की योजनाओं की समीक्षा की कमिश्नर ने कहा कि सभी अधिकारी पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी से विभागीय कार्य करें तथा शासन की योजनाओं का लाभ आमजनता तक अधिकतम रूप से पहुंचाना सुनिश्चित करें आमजनता से प्राप्त आवेदन पत्रों का संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जाए उन्होंने कहा कि आमजनों को शासन की योजनाओं का लाभ देना हम सभी की जिम्मेदारी है तथा जनहित के कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी कमिश्नर ने कमिश्नर-कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस के एजेंडा बिंदुओं पर तत्परता से कार्यवाही करने के निर्देश दिए उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में 50 दिनों से अधिक लंबित शिकायतों के निराकरण पर विशेष ध्यान देने तथा 100 दिवस से अधिक लंबित सभी शिकायतों का निराकरण 31 मार्च तक अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने उपलब्धियों की स्थिति पर नाराजगी व्यक्त की और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा सभी बीएमओ की विभागीय जांच कर उनकी दो-दो वार्षिक वेतनवृद्धियां रोकने के निर्देश दिए बैठक में कमिश्नर ने कहा कि संकल्प से समाधान अभियान में जिले ने संभाग में सबसे अच्छा कार्य किया है जिले में आमजनता से प्राप्त 92025 आवेदन पत्रों में से 91273 आवेदन पत्रों का निराकरण किया गया है इसके लिए उन्होंने कलेक्टर सहित सभी अधिकारियों को बधाई दी कमिश्नर ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान 19 मार्च से आरंभ हो रहा है इसकी कार्ययोजना दो दिवस में तैयार कर ली जाए कार्ययोजना में गत वर्ष के जल संरक्षण के अधूरे कार्यों को पूर्ण करना, पौधारोपण की तैयारी तथा परंपरागत जल स्रोतों के सुधार को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए जल जीवन मिशन से स्वीकृत समूह नल-जल योजनाओं के कार्य अगस्त माह तक पूर्ण कराकर पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को निर्देश दिए कि गर्मी को देखते हुए सभी बसाहटों में पेयजल आपूर्ति की समुचित व्यवस्था की जाए प्रत्येक विकासखंड में पेयजल व्यवस्था के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया जाए तथा खराब हैंडपंपों के सुधार के लिए आवश्यक संसाधनों के साथ टीम तैनात की जाए।

उल्लास-नवभारत साक्षरता मूल्यांकन परीक्षा 14 मार्च को आयोजित

जिले में 26 हजार से अधिक नवसाक्षरों को परीक्षा में सम्मिलित कराने का लक्ष्य

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रदेश में साक्षरता दर बढ़ाने के उद्देश्य से भारत सरकार के निर्देशानुसार संचालित उल्लास-नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता मूल्यांकन परीक्षा 14 मार्च 2026 को आयोजित की जाएगी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के अनुसार यह कार्यक्रम 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के असाक्षरों को साक्षर बनाने के लिए संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य 'जन-जन साक्षर' अभियानको सफल बनाना है जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी ने बताया कि उल्लास-नवभारत साक्षरता कार्यक्रम 01 अप्रैल 2022 से संचालित है वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर जिले में

89,215 असाक्षर चिन्हित किए गए हैं जिन्हें वर्ष 2027 तक साक्षर किया जाना है इस बार आयोजित होने वाली परीक्षा में 26 हजार से अधिक नवसाक्षरों को सम्मिलित कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिला कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के मार्गदर्शन तथा राज्य शिक्षा केन्द्र के निर्देशानुसार जिले की समस्त विद्यालयों में मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा में वे नवसाक्षर शामिल होंगे जिन्हें एनआईएलपी एप के माध्यम से ऑनलाइन सर्वे द्वारा चिन्हित किया गया है और

जिन्होंने उल्लास अक्षर पोथी प्रवेशिका से अध्ययन पूर्ण किया है इसके अलावा साक्षरता मिशन कक्षाओं के ऐसे शिक्षार्थी, जिन्होंने प्रवेशिका पूर्ण कर अंतरिम मूल्यांकन में सफलता प्राप्त की है वे भी इस परीक्षा में सम्मिलित हो सकेंगे। पूर्व में शिक्षा प्राप्त लेकिन प्रमाणन न होने वाले व्यक्ति भी इस मूल्यांकन परीक्षा में भाग ले सकेंगे।

मुसीबत बने ट्रंप, विश्व के साथ अमेरिका को भी चुकानी होगी इसकी कीमत

संपादकीय

अमेरिकी राष्ट्रपति ईरान की सैन्य शक्ति कुंद करने के बड़े-बड़े दावे तो कर रहे हैं, लेकिन वे इजरायल और खाड़ी देशों में उसके जवाबी हमले नहीं रोक पा रहे हैं। उनका यह दावा भी थोथा दिख रहा है कि अमेरिका होर्मुज जल मार्ग से तेल एवं गैस टैंकरों का सुरक्षित निकलना सुनिश्चित करेगा।

ईरान ने जिस तरह यह चेतावनी दी कि विश्व दौ सौ डॉलर प्रति बैरल कच्चा तेल खरीदने के लिए तैयार रहे, उससे यही स्पष्ट हो रहा है कि वह अपने प्रभाव क्षेत्र वाले समुद्री मार्ग होर्मुज से तेल टैंकरों को निकलने की अनुमति देने वाला नहीं है। उसने इसका संकेत होर्मुज जल मार्ग में कुछ तेल टैंकरों पर हमला करके भी दिया। वह ऐसा करके खाड़ी के देशों से तेल और गैस की आपूर्ति को बाधित करने के इरादे ही प्रकट कर रहा है। वह तेल टैंकरों पर हमला करने के साथ ही खाड़ी के देशों के तेल एवं गैस ठिकानों को भी निशाना बना रहा है।इसके चलते कुछ जगहों पर तेल एवं गैस का उत्पादन रोकना पड़ा है। इसका सीधा मतलब है कि ईरान तेल एवं गैस आपूर्ति संकट को और अधिक गहराना चाहता है, ताकि दुनिया में हाहाकार मचे और इसके नतीजे में खाड़ी के देशों के साथ अन्य देश अमेरिका एवं इजरायल पर इसके लिए दबाव बनाएं कि वे ईरान पर हमले बंद करें। इसमें संदेह है ईरान पर इसका कोई असर पड़ेगा कि 135 देश उसकी ओर से खाड़ी के देशों को निशाना बनाए जाने के कारण संयुक्त राष्ट्र में उसके खिलाफ निंदा प्रस्ताव ले आए। चूंकि ईरान यह भी दिखा रहा है कि वह पश्चिम एशिया से तेल एवं गैस की आपूर्ति बाधित करने के साथ ही सैन्य संघर्ष लंबा खींचना चाहता है, इसलिए अमेरिका को विश्व के समक्ष गहराते ऊर्जा संकट को खत्म करने के लिए सक्रियता दिखानी होगी। उसने इजरायल के साथ ईरान पर हमला करके न केवल पश्चिम एशिया को अस्थिर एवं अशांत किया है, बल्कि पूरी दुनिया के समक्ष ऊर्जा आपूर्ति का संकट खड़ा करने का काम किया है।

उसे यह पहले दिन से पता होना चाहिए था कि ईरान पर हमला करने और युद्ध लंबा खिंचने की स्थिति में तेल एवं गैस की किल्लत पैदा होगी और इसके दुष्परिणाम उसके साथ पूरी दुनिया को भोगने पड़ेंगे। फिलहाल ऐसी ही स्थिति बन रही है। भारत समेत अनेक देशों को अन्य स्रोतों से तेल एवं गैस हासिल करना कठिन हो रहा है। उनके दाम भी बढ़ रहे हैं। यह निराशाजनक है और चिंताजनक भी कि अमेरिका ने ईरान को निशाना बनाकर जो संकट खड़ा किया, उसके समाधान के लिए वह बहुत अधिक तत्पर नहीं दिखता। अमेरिकी राष्ट्रपति ईरान की सैन्य शक्ति कुंद करने के बड़े-बड़े दावे तो कर रहे हैं, लेकिन वे इजरायल और खाड़ी देशों में उसके जवाबी हमले नहीं रोक पा रहे हैं।

70% नदियाँ बनीं डेड ज़ोन : मंगल पर पानी खोजने वाले क्या अपनी धरती का अमृत बचा पाएंगे ?

(14 मार्च नदियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई दिवस)

नदियाँ केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि उन महान सभ्यताओं की धड़कन हैं जो हज़ारों सालों से इनके किनारों पर पनपी और फली-फूलीं। लेकिन आज 14 मार्च को जब पूरी दुनिया नदियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई दिवस मना रही है, तो सबसे बड़ा और चुभता हुआ सवाल यह है कि क्या हमने अपनी इन जीवनरेखाओं को सिर्फ़ एक गंदा नाला बनकर रहने के लिए छोड़ दिया है? भारत जैसे देश में, जहाँ नदियों को माँ और देवी का दर्जा देकर उनकी आरती उतारी जाती है, वहाँ की जलधाराओं में घुलता ज़हर हमारी गहरी होती दोहरी मानसिकता का प्रतीक बन चुका है। हम सुबह श्रद्धा के साथ घाटों पर दीप दान करते हैं और शाम होते-होते उसी पवित्र जल में फैक्ट्रियों का ज़हरीला रसायन, प्लास्टिक और शहर का सारा सीवेज बहा देते हैं। यह कितनी बड़ी विडंबना है कि जो नदियाँ सदियों से हमें जीवन और शुद्धता देती आ रही हैं, आज वे खुद इंसानी लालच के बीच अपने अस्तित्व के लिए तड़प रहीं हैं।

हैरानी की बात यह है कि हम मंगल ग्रह पर पानी ढूंढ रहे हैं, लेकिन अपनी धरती पर बहते अमृत को गटर बना रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि हर साल हज़ारों करोड़ रुपये सफाई के नाम पर बहाए जाते हैं, लेकिन परिणाम ढाक के तीन पात ही रहते हैं। जब तक जन-जन में नदी के प्रति संवेदना नहीं जगेगी, तब तक हर सरकारी योजना केवल फाइलों का पेट भरेगी, नदियों का नहीं। नीति आयोग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की लगभग 70 प्रतिशत नदियाँ प्रदूषित हो चुकी हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने देश में 350 से अधिक ऐसे नदी क्षेत्रों की पहचान की है जो अब डेड ज़ोन में बदल चुके हैं, जहाँ ऑक्सीजन का स्तर शून्य है और जलीय जीवन समाप्त हो चुका है। यमुना जैसी पौराणिक नदी दिल्ली के पास पहुँचते ही इसी मौत के जाल में फँस जाती है। इतना ही नहीं, गंगा जैसी जीवनदायिनी नदी के किनारे बसे सैकड़ों शहरों का औद्योगिक कचरा आज भी बिना शोधन के सीधे जलधारा में मिल रहा है, जो जल प्रदूषण के साथ-साथ गंभीर बीमारियों का कारण बन रहा है।

पिछले कुछ दशकों में हमने अपनी सैकड़ों छोटी नदियों और सहायक धाराओं को पूरी तरह खो दिया है। जो नदियाँ बारहमासी हुआ करती थीं, वे अब केवल मानसून के कुछ दिनों में ही जीवित नजर आती हैं। उत्तर प्रदेश की हिंडन, मध्य प्रदेश की खान नदी या दक्षिण भारत की कई छोटी धाराएं आज सीवेज ढोने वाले नालों में तब्दील हो चुकी हैं। विकास की अंधी और अनियंत्रित दौड़ में हमने नदियों के प्राकृतिक स्वरूप के साथ जो खिलवाड़ किया है, उसका खामियाजा अब जलवायु परिवर्तन, भीषण बाढ़ और पाताल की ओर गिरते भू-जल स्तर के रूप में हमारे सामने खड़ा है। नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों पर बढ़ते अतिक्रमण और कंक्रीट के जंगलों ने उनके पुनर्भरण की क्षमता को ही नष्ट कर दिया है। बाँधों के अनियंत्रित जाल ने नदियों की अविरलता छीन ली है, तो बढ़ते औद्योगिक प्रदूषण ने उनकी निर्मलता को खत्म कर दिया है। अक्सर हम यह मान लेते हैं कि पर्यावरण संरक्षण केवल वैज्ञानिकों या सरकारों का काम है, लेकिन सच यह है कि नदियों की बर्बादी में हमारी खामोश सहमति भी शामिल है। अवैध रेत उत्खनन ने नदियों के सीने को छलनी कर दिया है। विश्व स्तर पर आज नदियों के अधिकारों की वकालत की जा रही है। कई प्रगतिशील देशों ने तो अपनी नदियों को जीवित इकाई का कानूनी दर्जा भी दिया है। भारत में भी इस दिशा में कड़े कानूनी प्रावधानों के साथ-साथ एक व्यापक जन-आंदोलन की तत्काल ज़रूरत है। हमें अपनी दैनिक जीवनशैली में बदलाव लाना होगा जैसे केमिकल युक्त साबुनों और प्लास्टिक के बढ़ते मोह को त्यागना होगा। नदियों के किनारे वृक्षारोपण और मिट्टी के कटाव को रोकने के प्रयास केवल कागजों पर नहीं, बल्कि धरातल पर दिखने चाहिए।

14 मार्च का यह अंतर्राष्ट्रीय दिन हमें एक कड़वी चेतावनी दे रहा है। वैज्ञानिक अनुमानों के अनुसार, यदि नदियों के दोहन की यही रफ्तार रही, तो साल 2030 तक देश की 40 प्रतिशत आबादी के पास पीने के पानी की भारी कमी होगी। नदियाँ हमारी विरासत हैं, बोझ नहीं।

नागरिकों की सुरक्षा और सामरिक हितों की रक्षा के लिए तीन मंत्रियों की उच्च स्तरीय संकटकालीन समिति गठितएक्शन शुरू मिडिल ईस्ट संकट,स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ और भारत की ऊर्जा सुरक्षा–वैश्विक भू–राजनीति के बीच रणनीतिक संतुलन की चुनौती मिडिल ईस्ट की भू–राजनीति चाहे जिस दिशा में जाए, ऊर्जा सुरक्षा आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय राजनीति और अर्थव्यवस्था की सबसे निर्णायक शक्ति बनी रहेगी

मिडिल ईस्ट की भू-राजनीति में गहराता तनाव- भारत सरकार अलर्ट मोड पर

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

वैश्विक स्तरपर 21वीं सदी की वैश्विक राजनीति में ऊर्जा संसाधन केवल आर्थिक विकास का आधार नहीं रहे, बल्कि वे रणनीतिक शक्ति, कूटनीति और भू- राजनीतिक संघर्षों का केंद्र बन चुके हैं। विशेष रूप से पश्चिम एशिया यानें मिडिल ईस्ट क्षेत्र विश्व की ऊर्जा राजनीति का धुरी रहा है। वर्तमान में ईरान, अमेरिका और इज़राइल के बीच बढ़ता सैन्य तनाव एक ऐसे मोड़ पर पहुंच चुका है जहां इसका प्रभाव केवल क्षेत्रीय सीमाओं तक सीमित नहीं है बल्कि पूरी दुनियाँ की ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और आर्थिक स्थिरता पर पड़ रहा है।इसी पृष्ठभूमि में दुनियाँ का सबसे महत्वपूर्ण समुद्री ऊर्जा मार्ग स्ट्राइट ऑफ़ होर्मूज़ वैश्विक चर्चा के केंद्र में आ गया है।यह जलडमरूमध्य विश्व के तेल व्यापार कीजीवनरेखा माना जाता है। यहां होने वाली किसी भी अस्थिरता का असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर तुरंत दिखाई देता है। हाल के दिनों में इस मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर हमलों,ड्रोन हमलों औरसंभावित खदान बिछाने की खबरों ने अंतरराष्ट्रीय बाजारों को अस्थिर कर दिया है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इसी कारण भारत सहित कई देशों ने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है।मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव को भारत सरकार ने अत्यंत गंभीरता से लिया है। भारत दुनियाँ का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश है और उसकी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से आता है। ऐसे में किसी भी प्रकार की आपूर्ति बाधा सीधे भारत की अर्थव्यवस्था और आम लोगों के जीवन को प्रभावित कर सकती है।इसी संभावित खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने उच्च स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है। केंद्र सरकार ने स्थिति की निगरानी और संभावित संकट से निपटने के लिए तीन सदस्यीय मंत्री समूह का गठन किया है जिसकीअध्यक्षता देश के गृहमंत्री कर रहे हैं। इस समिति में विदेश मंत्री और पेट्रोलियम मंत्री भी शामिल हैं।यह समिति विभिन्न मंत्रालयों और ऊर्जा कंपनियों के साथ मिलकर लगातार स्थिति की समीक्षा कर रही है। सरकार का उद्देश्य स्पष्ट है देश में पेट्रोल, डीज़ल, गैस और एलपीजी की आपूर्ति किसी भी परिस्थिति में बाधित न हो।पीएम कार्यालय ने भी इस विषय पर सभी संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित करने और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

साथियों बात अगर हम ऊर्जा सुरक्षा और घरेलू आपूर्ति : सरकार की प्राथमिकता को समझने की करें तो भारत की ऊर्जा जरूरतें तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ लगातार बढ़ रही हैं।औद्योगिक उत्पादन, परिवहन, कृषि और घरेलू उपयोग सभी क्षेत्रों में पेट्रोलियम उत्पादों की मांग अत्यधिक है। इस कारण सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि अंतरराष्ट्रीय संकट का असर भारतीय उपभोक्ताओं पर न्यूनतम हो।तेल कंपनियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे पर्याप्त भंडारण बनाए रखें और वितरण व्यवस्था को सुचारु रखें। इसके अलावा घरेलू एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति को प्राथमिकता देने के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं। कुछ क्षेत्रों में एलपीजी की अस्थायी कमी की खबरें जरूर सामने आई हैं, जिससे लोगों में चिंता बढ़ी है, लेकिन सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह व्यापक संकट नहीं है बल्कि वितरण व्यवस्था से जुड़ी स्थानीय समस्या हो सकती है।सरकार ने इस स्थिति को नियंत्रित करने के लिए विशेष कंट्रोल रूम भी स्थापित किया है ताकि देशभर में एलपीजी की उपलब्धता पर लगातार निगरानी रखी जा सके। यह कदम इस बात का संकेत है कि भारत सरकार संभावित संकट से पहले ही तैयारी करना चाहती है।

साथियों बात अगर हम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ वैश्विक ऊर्जा व्यापार की धुरी को समझने की करें तो,दुनियाँ के ऊर्जा मानचित्र में यदि किसी एक समुद्री मार्ग को सबसे अधिक रणनीतिक महत्व प्राप्त है तो वह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ है। यह जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है और यही मार्ग खाड़ी देशों से निकलने वाले तेल और गैस को दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचाता है।भौगोलिक दृष्टि से यह जलडमरूमध्य उत्तर में ईरान और दक्षिण में ओमान तथा संयुक्त अरब अमीरात के बीच स्थित है।इसकी चौड़ाई प्रवेश और निकास पर लगभग 50 किलोमीटर है जबकि सबसे संकरे हिस्से में यह लगभग 33 किलोमीटर रह जाती है। इसके बावजूद यह इतना गहरा है कि दुनिया के सबसे बड़े तेल टैंकर भी यहां से गुजर सकते हैं।हर महीने लगभग 3000 से अधिक जहाज इस मार्ग से गुजरते हैं और विश्व के लगभग 30 प्रतिशत तेल की आपूर्ति इसी रास्ते से होती है। यही कारण है कि इसे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का 'चोकपॉइंट' कहा जाता है। यदि इस मार्ग में थोड़ी भी बाधा आती है तो तेल की कीमतें तुरंत प्रभावित हो जाती हैं।

साथियों बात अगर हम समुद्री हमले और वैश्विक चिंता को समझने की करें तो हाल के दिनों में इस समुद्री मार्ग में कई संदिग्ध घटनाएं सामने आई हैं। कुछ जहाजों पर अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमले की खबरें आई, जबकि एक जहाज में आग लगने के बाद उसे खाली कराना पड़ा। इन घटनाओं ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार और ऊर्जा बाजारों को चिंतित कर दिया है।अमेरिकी सैन्य सूत्रों ने दावा किया है कि उन्होंने इस मार्ग में ईरान से जुड़े 16 माइन बिछाने वाले जहाजों को नष्ट कर दिया है। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इससे यह स्पष्ट हो गया है कि यह क्षेत्र अब एकसंभावित सैन्य संघर्ष का केंद्र बन चुका है।समुद्री मार्गों पर इस तरह की अस्थिरता वैश्विक व्यापार के लिए गंभीर खतरा है क्योंकि तेल टैंकरों और मालवाहक जहाजों की सुरक्षा सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजारों की स्थिरता से जुड़ी होती है।

साथियों बात अगर हम तेल की कीमतें और वैश्विक अर्थव्यवस्था को समझने की करें तो,ऊर्जा बाजार में अस्थिरता का सबसे बड़ा प्रभाव तेल की कीमतों पर पड़ता है। जब भी पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ता है तो वैश्विक बाजारों में तेल की कीमतें तेजी से ऊपर जाती हैं। हाल के दिनों में भी ऐसा ही देखने को मिला है।ईरान ने चेतावनी दी है कि यदि क्षेत्रीय संघर्ष जारी रहा और ऊर्जा मार्ग अस्थिर बने रहे तो कच्चे तेल की कीमत 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है। विशेष रूप से ईरान के सैन्य अधिकारियों का कहना है कि लगातार बमबारी और सैन्य गतिविधियों से क्षेत्रीय सुरक्षा कमजोर हो रही है और इसका असर वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर पड़ना तय है।यदि तेल की कीमतें वास्तव में 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचती हैं तो इसका असर केवल ऊर्जा बाजार तक सीमित नहीं रहेगा। इससे परिवहन, खाद्य उत्पादन, औद्योगिक लागत और वैश्विक व्यापार सभी प्रभावित होंगे। परिणामस्वरूप दुनिया भर में महंगाई बढ़ सकती है।

साथियों बात अगर हम क्या ईरान बंद कर सकता हैस्ट्रेट ऑफ होर्मुज़? इसको समझने की करें तो, यह प्रश्न आज वैश्विक रणनीतिक चर्चा का प्रमुख विषय बन चुका है कि क्या ईरान वास्तव में इस जलडमरूमध्य को बंद कर सकता है। अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों के अनुसार किसी भी देश को अपनी तटरेखा से लगभग12 नॉटिकल मील तक समुद्री क्षेत्र पर नियंत्रण का अधिकार होता है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ के सबसे संकरे हिस्से में यह मार्ग ईरान और ओमान के समुद्री क्षेत्र के भीतर आता है। इस कारण यहां से गुजरने वाले जहाजों को इन दोनों देशों के क्षेत्रीय जल से होकर गुजरना पड़ता है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत उन्हें ट्रांजिट पैसेज का अधिकार प्राप्त होता है, जिसका अर्थ है कि वे इस मार्ग से गुजर सकते हैं।यदि ईरान इस मार्ग को बाधित करना चाहे तो वह समुद्र में माइंस बिछाकर, नौसैनिक गश्त बढ़ाकर या ड्रोन हमलों के जरिए जहाजों को निशाना बना सकता है। हालांकि ऐसा करने पर उसे अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया और सैन्य जवाबी कार्रवाई का भी सामना करना पड़ सकता है।

साथियों बात कर हम भारत पर संभावित प्रभाव को समझने की करें तो,यदि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ में गंभीर बाधा उत्पन्न होती है तो इसका सबसे बड़ा असर एशिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं भारत, चीन और जापान पर पड़ेगा। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात करता है और इसमें पश्चिम एशिया का महत्वपूर्ण योगदान है।यदि इस मार्ग से तेल की आपूर्ति बाधित होती है तो भारत को न केवल अधिक कीमत पर तेल खरीदना पड़ेगा बल्कि वैकल्पिक स्रोतों की तलाश भी करनी होगी। इससे भारत की ऊर्जा लागत बढ़ सकती है और महंगाई पर दबाव बढ़ सकता है।एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर आम जनता की जेब पर पड़ेगा। परिवहन महंगा होगा, उद्योगों की लागत बढ़ेगी और इससे आर्थिक गतिविधियों पर भी प्रभाव पड़ सकता है।विशेषज्ञों की सलाह और भारत की रणनीतिक दिशाऊर्जा संकट की संभावनाओं को देखते हुए कई विशेषज्ञों और संस्थानों ने भारत सरकार को कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं।ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव ने सुझाव दिया है कि भारत को घरेलू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अस्थायी रूप से पेट्रोल और डीजल के निर्यात पर रोक लगाने पर विचार करना चाहिए।इसके अलावा रूस जैसे देशों के साथ दीर्घकालिक तेल आपूर्ति समझौते करने की सलाह दी गई है ताकि वैश्विक संकट के समय भी भारत को स्थिर आपूर्ति मिल सके। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को अपनी ऊर्जा नीति में अधिक रणनीतिक स्वायत्तता अपनानी चाहिए और राष्ट्रीय हितों के आधार पर निर्णय लेने चाहिए। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि ऊर्जा सुरक्षा और भू-राजनीति का नया युग शुरू मिडिल ईस्ट में चल रहा संकट केवल एकक्षेत्रीय संघर्ष नहीं है बल्कि यह वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था की नाजुकता को उजागर करता है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ जैसे रणनीतिक मार्गों पर निर्भरता ने दुनिया को यह एहसास दिलाया है कि ऊर्जा सुरक्षा केवल आर्थिक मुद्दा नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है।भारत जैसे तेजी से विकसित हो रहे देश के लिए यह चुनौती और भी बड़ी है क्योंकि उसकी ऊर्जा जरूरतें लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में सरकार द्वारा पहले से तैयारी करना, भंडारण बढ़ाना, वैकल्पिक स्रोत तलाशना और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति को मजबूत करना अत्यंत आवश्यक है।वर्तमान संकट यह भी संकेत देता है कि भविष्य की ऊर्जा नीति केवल आयात पर निर्भर नहीं रह सकती।

अफवाह की राजनीति और जिम्मेदारी से भागता विपक्ष

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद वह स्थान है जहां जनता से जुड़े हर बड़े मुद्दे पर गंभीर और जिम्मेदार चर्चा होनी चाहिए लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि हाल के वर्षों में विपक्ष की राजनीति का एक बड़ा हिस्सा केवल हंगामा और अफवाह फैलाने तक सीमित होता जा रहा है। एलपीजी सिलेंडर को लेकर संसद के बाहर हुई नारेबाजी और आरोपों की बौछार इसी प्रवृत्ति का उदाहरण है।

कांतिलाल मांडोत

हाल ही में संसद परिसर में विपक्षी सांसदों ने नारे लगाए कि नरेंदर भी गायब और सिलेंडर भी गायब इस तरह के नारे सुनने में भले ही आकर्षक लगते हों लेकिन यह देश की वास्तविक समस्याओं का समाधान नहीं हैं बल्कि यह केवल राजनीतिक माहौल को गरमाने की कोशिश भर है ।जनता यह समझती है कि देश की ऊर्जा जरूरतों और वैश्विक परिस्थितियों जैसे गंभीर विषयों को केवल नारेबाजी से नहीं, बल्कि ठोस नीति और विवेकपूर्ण चर्चा से हल किया जा सकता है।

नेता विपक्ष राहुल गांधी ने यह दावा किया कि आने वाले समय में ईंधन का बड़ा संकट पैदा हो सकता है और इसके लिए उन्होंने सरकार की विदेश नीति को जिम्मेदार ठहराया लेकिन यह भी एक सच्चाई है कि वर्तमान समय में पूरी दुनिया ऊर्जा आपूर्ति की चुनौतियों से जूझ रही है ,पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और युद्ध जैसी स्थिति ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर दिया है। ऐसे में किसी एक देश की सरकार को पूरी तरह जिम्मेदार ठहराना वास्तविकता से दूर और राजनीतिक बयानबाजी ज्यादा प्रतीत होता है।

भारत जैसे विशाल देश की ऊर्जा जरूरतें बहुत बड़ी हैं और इन्हें पूरा करने के लिए सरकार को कई स्तरों पर लगातार प्रयास करने पड़ते हैं ।पिछले कुछ वर्षों में भारत ने ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए अनेक कदम उठाए हैं।

विभिन्न देशों के साथ दीर्घकालिक समझौते किए गए हैं। आपूर्ति के नए स्रोत तलाशे गए हैं और वैकल्पिक ऊर्जा पर भी बड़े पैमाने पर निवेश किया गया है। सौर ऊर्जा हरित हाइड्रोजन और हरित अमोनिया जैसे क्षेत्रों में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है ताकि भविष्य में ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भरता बढ़ सके।

इसके बावजूद विपक्ष लगातार यह माहौल बनाने की कोशिश कर रहा है कि देश किसी बड़े संकट की ओर बढ़ रहा है ।संसद में चर्चा से पहले ही सड़क और संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन कर देना यह दिखाता है कि विपक्ष का उद्देश्य समाधान निकालना नहीं बल्कि डर का वातावरण बनाना है। लोकतंत्र में सरकार से सवाल पूछना विपक्ष का अधिकार है लेकिन जब सवाल तथ्यों के बजाय आशंकाओं और अफवाहों पर आधारित हों तो वह राजनीति से ज्यादा भ्रम फैलाने का माध्यम बन जाते हैं।

एलपीजी को लेकर भी यही स्थिति देखने को मिली। कुछ स्थानों पर लंबी कतारों की खबरें सामने आईं तो उसे तुरंत राष्ट्रीय संकट के रूप में पेश किया जाने लगा जबकि सरकार और कई जनप्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि देश में एलपीजी की वास्तविक कमी नहीं है। कई जगह लोगों ने घबराहट में जरूरत से ज्यादा सिलेंडर जमा करने शुरू कर दिए जिससे अस्थायी दबाव की स्थिति बन गई।

जेडीयू सांसद संजय कुमार झा ने भी यही बात कही कि कई लोग एक साथ चार चार सिलेंडर घर में जमा कर रहे हैं जिससे कृत्रिम कमी का माहौल बन रहा है यह स्थिति तब और ज्यादा गंभीर हो जाती है जब राजनीतिक बयानबाजी के कारण लोगों के मन में डर बैठ जाता है और वे जरूरत से अधिक सामान खरीदने लगते हैं।

विपक्ष को यह समझना चाहिए कि देश की जनता अब पहले से अधिक जागरूक है वह केवल आरोप और नारे सुनकर निर्णय नहीं करती बल्कि यह भी देखती है कि कौन जिम्मेदारी से बात कर रहा है और कौन केवल माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहा है ।जब देश अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों से जूझ रहा हो तब राजनीतिक दलों से अपेक्षा की जाती है कि वे संयम और जिम्मेदारी का परिचय दें।

सरकार ने स्पष्ट कहा है कि इस मुद्दे पर संसद में विस्तृत चर्चा होगी और पेट्रोलियम मंत्री हरदेवसिंह पूरी सदन में स्थिति स्पष्ट करेंगे लोकतंत्र में यही उचित तरीका है कि गंभीर मुद्दों पर संसद के भीतर तथ्य और आंकड़ों के साथ बहस हो लेकिन विपक्ष ने पहले से ही संकट का वातावरण बनाकर यह संदेश देने की कोशिश की कि देश किसी बड़े खतरे में है। यह भी याद रखना चाहिए कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कई वैश्विक संकटों का सामना सफलतापूर्वक किया है। महामारी का कठिन दौर हो या वैश्विक आर्थिक अस्थिरता हर बार देश ने धैर्य और मजबूत नेतृत्व के बल पर चुनौतियों को पार किया है ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में भी कई दीर्घकालिक योजनाएं शुरू की हैं ।जिनका उद्देश्य आने वाले वर्षों में देश को अधिक सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाना है।

आज भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में देश को स्थिरता और विश्वास की आवश्यकता है लेकिन जब विपक्ष बार बार संकट और असफलता की कहानी गढ़ने की कोशिश करता है तो उससे देश की छवि और जनता का मनोबल दोनों प्रभावित होते हैं।

संसद में स्वस्थ बहस लोकतंत्र की ताकत होती है लेकिन जब बहस के स्थान पर हंगामा और अफवाह को प्राथमिकता दी जाती है तो लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा भी प्रभावित होती है। जनता यह अपेक्षा करती है कि उसके प्रतिनिधि संसद में गंभीरता से मुद्दों पर चर्चा करें और समाधान खोजें न कि केवल नारेबाजी करके सुर्खियां बटोरें।

एलपीजी को लेकर उठे इस विवाद ने एक बार फिर यह दिखा दिया है कि विपक्ष की राजनीति का बड़ा हिस्सा अब भी अफवाह और आशंका पर आधारित है जबकि देश को ऐसी राजनीति की आवश्यकता है जो समाधान और सहयोग की दिशा में आगे बढ़े। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है लेकिन असहमति जिम्मेदारी के साथ होनी चाहिए। यदि विपक्ष वास्तव में जनता की चिंता करता है तो उसे संसद के भीतर तथ्य आधारित चर्चा करनी चाहिए और सरकार से जवाब मांगना चाहिए लेकिन बिना पूरी जानकारी के संकट का माहौल बनाना और लोगों के मन में डर पैदा करना यह केवल राजनीतिक लाभ के लिए किया गया प्रयास माना जाएगा। भारत की जनता यह भली भांति समझती है कि देश की चुनौतियों का समाधान नारेबाजी से नहीं बल्कि धैर्य नीति और सहयोग से निकलता है और यही लोकतंत्र की असली ताकत भी है।

मोर गांव मोर पानी अभियान से जल संरक्षण की अनोखी पहल

लोहारी पंचायत में 460 कंटूर ट्रेंच बनाकर वर्षा जल संचयन की दिशा में सराहनीय कदम

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा शुरू किए गए 'मोर गांव मोर पानी' महाभियान के तहत जल संरक्षण की दिशा में ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। मुख्यमंत्री के आह्वान को गंभीरता से लेते हुए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जलसंचयन के लिए प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं इसी कड़ी में एमसीबी जिले की ग्राम पंचायत लोहारी में बंजर पहाड़ पर 460 कंटूर ट्रेंच बनाए गए हैं, जिनसे वर्षा ऋतु में लगभग 20 लाख लीटर पानी का संरक्षण होगा वर्षा जल को संरक्षित करने की अनोखी पहल ग्राम

पंचायत लोहारी में स्थित लगभग तीन एकड़ बंजर पहाड़ी क्षेत्र में वर्षा जल को रोकने के उद्देश्य से सैकड़ों कंटूर ट्रेंच बनाए गए हैं इन संरचनाओं के माध्यम से वर्षा ऋतु में 20 लाख लीटर जल भूमिगत किया जाएगा, जिससे भूजल स्तर में

वृद्धि होगी और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा मोर गांव मोर पानी महाभियान के अंतर्गत जनभागीदारी के आह्वान के बाद पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने मनेन्द्रगढ़ जनपद पंचायत के ग्राम लोहारी में बंजर पहाड़ी क्षेत्र का चयन क्षेत्र की मिट्टी और ढलान का तकनीकी आंकलन करने के बाद कंटूर ट्रेंच निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया गया ग्रामसभा की अनुशंसा के आधार पर इस कार्य को 1 लाख 80 हजार रुपये की लागत से स्वीकृति प्रदान की गई ग्राम पंचायत लोहारी के सरपंच मोती सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री के अभियान से प्रेरित होकर पंचायत में चर्चा के बाद कार्य का प्रस्ताव तैयार किया गया प्रशासकीय स्वीकृति मिलने के बाद ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक इस कार्य में भाग लिया और तकनीकी सहायक मुकुल के मार्गदर्शन में लगभग सवा हेक्टेयर क्षेत्र में कुल 460 कंटूर ट्रेंच बनाए।

बाल विवाह मुक्त बनने की राह पर 60 ग्राम पंचायतों ने हासिल की उल्लेखनीय उपलब्धि

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में संचालित बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई है संचालनालय महिला एवं बाल विकास विभाग रायपुर के निर्देशानुसार ऐसे ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों को बाल विवाह मुक्त घोषित किया जाना है जहां पिछले दो वर्षों में बाल विवाह का कोई भी मामला दर्ज नहीं हुआ हो इसी प्रक्रिया के तहत जिले के विभिन्न विकासखंडों से प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनकी नियमानुसार जांच के बाद संबंधित दस्तावेज महिला एवं बाल विकास विभाग को उपलब्ध कराए गए इस संबंध में 6 मार्च 2026 को दावा-आपत्ति के लिए पत्र जारी किया गया था लेकिन निर्धारित समय सीमा तक जिला महिला एवं बाल विकास विभाग कार्यालय में कोई भी दावा या आपत्ति प्राप्त नहीं हुई हालांकि चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के माध्यम से कुछ ग्राम पंचायतों में बाल विवाह की सूचना मिलने पर विकासखंड खड़गवां के ग्राम पंचायत आमालाड, मुकुन्दपुर और दुग्गी विकासखंड सेमरिया तथा विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के डंगौरा और चिमटीमार ग्राम पंचायतों को सूची से विलोपित कर दिया गया है कलेक्टर की अनुशंसा के आधार पर चयनित ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों को तीन चरणों में बाल विवाह मुक्त होने का प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा साथ ही आगामी समय में जिले के अन्य पंचायतों और नगरीय निकायों को भी इस प्रक्रिया में शामिल कर प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे बाल विवाह मुक्त अभियान के अंतर्गत विकासखंड मनेन्द्रगढ़ की ग्राम पंचायत चौघड़ा, तेन्दूडांड, बुलाकीटोला, घाघरा, उजियारपुर, बौरीडांड, महाई, बेलबहरा, डुगला, रोझी, चनवारीडांड, मनवारी, डोडकी, केल्हारी, रोकड़ा, ताराबहरा, केराबहरा, परसगढ़ी, डिहुली और कछौड शामिल हैं।

डिजिटल सेवा से मिली नई पहचान गोमती सिंह बनीं आत्मनिर्भरता की मिसाल

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के ग्राम चिडौला की निवासी गोमती सिंह ने अपनी मेहनत और आत्मविश्वास के दम पर आत्मनिर्भरता की एक प्रेरक मिसाल पेश की है साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से आने वाली गोमती सिंह ने यह साबित कर दिया कि यदि महिलाओं को सही अवसर और मार्गदर्शन मिले तो वे स्वरोजगार के माध्यम से अपनी अलग पहचान बना सकती हैं आज उनकी सफलता न केवल उनके परिवार के लिए गर्व का विषय है बल्कि गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन चुकी है गोमती सिंह के जीवन में सकारात्मक बदलाव तब आया जब वे 'नारी शक्ति महिला स्व सहायता समूह' से जुड़ीं समूह से जुड़ने के बाद उन्हें नई सोच, आत्मविश्वास और आर्थिक गतिविधियों में भागीदारी का अवसर मिला इसी समूह के माध्यम से उन्हें 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त हुई, जिसने उनके स्वरोजगार की राह आसान कर दी। प्राप्त सहायता राशि का उपयोग करते हुए गोमती सिंह ने अपने गांव में ग्राहक सेवा केंद्र (ऑनलाइन सेवा केंद्र) की स्थापना की इस केंद्र के माध्यम से ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाएं, ऑनलाइन भुगतान, दस्तावेज संबंधी कार्य और अन्य डिजिटल सेवाएं गांव में ही उपलब्ध होने लगीं इससे लोगों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए शहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। ग्राहक सेवा केंद्र के सफल संचालन से गोमती सिंह को प्रतिवर्ष लगभग 1 लाख 16 हजार 818 रुपये की आय प्राप्त हो रही है इस आय से उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और अब वे अपने परिवार की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा कर पा रही हैं गोमती सिंह की सफलता यह दर्शाती है कि स्व सहायता समूह और स्वरोजगार योजनाएं ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बन रही हैं।

श्योपुर हाइवे पर हादसा, रिछाई मोड़ के पास हादसा गमी में शामिल होने जा रहा था परिवार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। पोहरी थाना क्षेत्र में शिवपुरी-श्योपुर हाइवे पर दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया रिछाई मोड़ के पास गाय को बचाने के प्रयास में एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई हादसे में दंपती और उनकी 7 साल की बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई उपचार के दौरान मासूम बच्ची ने दम तोड़ दिया जबकि मां की हालत गंभीर बताई जा रही है जानकारी के अनुसार पोहरी कस्बे के निवासी रिजवान अंसारी अपनी पत्नी कमरजहां अंसारी और 7 साल की बेटी रिजा अंसारी के साथ श्योपुर में एक रिश्तेदार की गमी में शामिल होने जा रहे थे दोपहर करीब 12 से 1 बजे के बीच श्योपुर हाइवे पर रिछाई मोड़ के पास अचानक सामने आई गाय को बचाने के प्रयास में उनकी कार अनियंत्रित होकर पलट गई घायलों को पहले पोहरी फिर शिवपुरी रेफर किया हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों की मदद से तीनों घायलों को पोहरी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया यहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत को देखते हुए मेडिकल कॉलेज शिवपुरी रेफर कर दिया गया मेडिकल कॉलेज शिवपुरी में उपचार के दौरान 7 साल की मासूम रिजा अंसारी की मौत हो गई।

होटलों में घरेलू गैस के अवैध उपयोग पर सख्त कार्रवाई

खाद्य विभाग की टीम सक्रिय, जनकपुर में 7 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध उपयोग और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देश पर खाद्य विभाग की टीम ने जनकपुर नगर के विभिन्न होटल एवं रेस्टोरेंट में जांच अभियान चलाकर कार्रवाई की जांच के दौरान कई प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग करते हुए पाया गया जो नियमों के विरुद्ध है खाद्य विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (आपूर्ति एवं विनियमन) आदेश 2000 तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत कुल **7 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए:** जब्त किए गए सिलेंडरों को ग्रामीण गैस वितरण एजेंसी, जनकपुर को आगामी आदेश तक सुपुर्दगी में सौंप दिया गया है। यह कार्रवाई जिला खाद्य अधिकारी विष्णु नारायण शुक्ला के नेतृत्व में की गई संयुक्त जांच दल में प्रवीण मिश्रा (खाद्य निरीक्षक भरतपुर) और सदानंद पैकरा (खाद्य निरीक्षक कोटाडोल) शामिल रहे

नियमों के उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई: कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने स्पष्ट किया है कि जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में उनके अवैध उपयोग को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा उन्होंने संबंधित विभागों को नियमित जांच अभियान चलाने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं जिला प्रशासन ने होटल संचालकों और व्यापारियों से अपील की है कि वे घरेलू गैस सिलेंडरों का उपयोग केवल घरेलू कार्यों के लिए ही करें तथा व्यावसायिक उपयोग के लिए निर्धारित कमर्शियल गैस सिलेंडर का ही इस्तेमाल करें साथ ही चेतावनी दी गई है कि नियमों का उल्लंघन करने पर आगे भी इसी तरह की कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

समाज कल्याण विभाग की संवेदनशील पहल

दिव्यांग हितग्राही सुभाष पांडे को तुरंत मिला प्रमाण पत्र और श्रवण यंत्र

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में दिव्यांग जनों की सहायता के लिए जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग द्वारा संवेदनशील पहल करते हुए एक सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया गया है विभाग की तत्परता के कारण एक दिव्यांग हितग्राही को न केवल तत्काल दिव्यांग प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया गया बल्कि उन्हें श्रवण यंत्र भी प्रदान किया गया, जिससे उनके जीवन में नई उम्मीद जगी है जानकारी के अनुसार, ग्राम निवासी सुभाष पांडे लंबे समय से श्रवण दोष के कारण सुनने में कठिनाई का सामना कर रहे थे आवश्यक दस्तावेजों के अभाव और यूडीआईडी कार्ड न बने होने के कारण उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में परेशानी हो रही थी जैसे ही यह मामला समाज कल्याण विभाग के संज्ञान में आया विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए समाधान की पहल की विभाग के समन्वय से स्वास्थ्य विभाग के मेडिकल बोर्ड द्वारा पांडे का परीक्षण कराया गया और मौके पर ही उनका दिव्यांग प्रमाण पत्र तैयार करने की प्रक्रिया पूरी की गई।

सिलेंडर की ऑनलाइन-बुकिंग बंद, मिस्ड-कॉल सर्विस ठप एजेंसी-गोदामों के बाहर लाइनें; इंडक्शन प्राइज 10-20' बढ़े, 450+ सिलेंडर जब्त

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग-भिलाई, सरगुजा, रायगढ़ समेत अन्य जिलों में गैस एजेंसियों और गोदामों के बाहर सुबह से ही लोगों की भीड़ लग रही है उपभोक्ता धूप में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं इस बीच सर्वर भी ठप हो जाने से लोगों की परेशानी और बढ़ गई है फिलहाल ऑनलाइन और मिस्ड कॉल के जरिए गैस सिलेंडर बुकिंग भी बंद कर दी गई है वहीं बुकिंग करने के बाद भी उपभोक्ताओं को करीब 10-12 दिनों बाद सिलेंडर की डिलीवरी मिलने की बात कही जा रही है जिससे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है इस बीच राजधानी रायपुर में एलपीजी गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग और कालाबाजारी के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए 350 से अधिक गैस सिलेंडर जब्त किए हैं जब्त सिलेंडरों में

घरेलू (डोमेस्टिक) और कॉमर्शियल दोनों तरह के गैस सिलेंडर शामिल हैं इधर बिलासपुर में भी किचन केयर और किराना स्टोर में छापेमारी कर 126 घरेलू गैस सिलेंडर बरामद किए गए जांच के दौरान गैस निकालने के उपकरण भी मिले। इससे पहले बुधवार को हुई कार्रवाई में 75 गैस सिलेंडर जब्त किए गए थे गैस सिलेंडर किल्लत के बीच इलेक्ट्रॉनिक इंडक्शन की भी बिक्री में बढ़ गई है व्यापारियों को कहना है कि इंडक्शन की बिक्री में 10 से 20% तक इजाफा हुआ है। वही पुराना स्टॉक होने की वजह से रेट में फिलहाल बढ़ोतरी नहीं है रायपुर के मालवीय रोड स्थित इलेक्ट्रॉनिक बाजार के व्यापारी अनिल शर्मा का कहना है कि इंडक्शन के साथ उसके बर्तनों की डिमांड भी बड़ी है वहीं इंडक्शन का रेट 2000 रुपए से 4500 रुपए तक है लोग ब्रांडेड कंपनी के इंडक्शन को ज्यादा पसंद कर रहे हैं।

रायपुर में 350 से अधिक गैस सिलेंडर जब्त: रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर खाद्य विभाग की संयुक्त जांच टीम ने अलग-अलग क्षेत्रों में छापेमारी की इस दौरान कई जगहों पर कार्रवाई करते हुए बड़ी संख्या में गैस सिलेंडर जब्त किए गए जांच के दौरान धरसींवा विकासखंड के सेजबहार स्थित कमल होटल में घरेलू गैस का व्यावसायिक उपयोग पाए जाने पर 14.2 किलोग्राम क्षमता के 8 सिलेंडर जब्त किए गए वहीं बाबूलाल चिकन सेंटर में भी घरेलू गैस का व्यावसायिक उपयोग पाए जाने पर 3 घरेलू सिलेंडर जब्त किए गए इसी तरह अभनपुर-नवापारा क्षेत्र में रवि ग्लास एंड प्लाइवुड में एलपीजी सिलेंडरों की कालाबाजारी पकड़ी गई यहां से 14.2 किलोग्राम क्षमता के 26 घरेलू सिलेंडर 19 किलोग्राम क्षमता के 2 व्यावसायिक सिलेंडर और 5 किलोग्राम क्षमता के 4 सिलेंडर जब्त किए गए मामले में एलपीजी (वितरण और विनियमन) आदेश 2000 के तहत आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

सिटी बसों का संचालन जल्द होगा शुरू, बंद पड़ी बसों को मिलेगी नई निविदा के बाद रफ्तार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सिटी बसों के फिर संचालन की पहल शुरू हो गई है पिछले आठ महीनों से बंद पड़ी इन बसों को जल्द ही सड़कों पर उतारने की तैयारी है नगरीय प्रशासन और विकास विभाग के अंतर्गत जेएनएनयूआरएम योजना के तहत कोरिया अरबन पब्लिक ट्रांसपोर्ट सोसायटी की ओर से चिरमिरी से सात सिटी बसों का संचालन किया जा रहा था एक निजी बस सर्विस, अंबिकापुर के साथ 10 सालों का अनुबंध समाप्त होने के बाद ये बसें पिछले आठ महीनों से नगर निगम के डिपो में खड़ी हैं देखभाल के अभाव में ये बसें कंडम हो चुकी हैं ये बसें नगर निगम चिरमिरी से संचालित होकर अलग-अलग ग्राम पंचायतों से गुजरते हुए नगरपालिका मनेंद्रगढ़ सहित अन्य स्थानों तक परिवहन सुविधा प्रदान करती थी इनके बंद होने से जिले के निवासियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है अब इन बसों को फिर से चलाने योग्य बनाने के लिए उनके रखरखाव और मरम्मत का प्रस्ताव तैयार किया गया है करीब 27.32 लाख रुपए की लागत से बसों की मरम्मत और आवश्यक तकनीकी सुधार का प्राक्कलन तैयार कर मुख्य कार्यपालन अधिकारी को भेजा गया है।

एनडीपीएस एक्ट का अपराध समाज के लिए गंभीर,नशीली कफ-सिरप तस्करी करने वाली महिला समेत 4 की 15-15 साल की सजा बरकरार

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने कहा कि एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध समाज के लिए बहुत गंभीर हैं डिवीजन बेंच ने नशीली कफ सिरप की अवैध बिक्री और तस्करी करने वाली महिला समेत चार आरोपियों की अपील को खारिज कर दी है साथ ही निचली अदालत से दी गई सजा को बरकरार रखा है कोर्ट ने चारों आरोपियों को 15-15 साल का सश्रम कारावास और डेढ़- डेढ़ लाख रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई थी दरअसल, पुलिस ने 13 सितंबर 2023 को मुखबिर

की सूचना पर बिलासपुर के तोरवा थाना के हेमूनगर शोभा विहार स्थित योग केंद्र के पास दबिश दी थी जहां स्नेहा गोयल, पुष्पेंद्र निर्मलकर, अमर जांगड़े और देवा रजक पकड़े गए पुलिस ने स्नेहा गोयल के पास से 100 बोतल, पुष्पेंद्र से 25 बोतल, अमर से 30 बोतल और देवा रजक से 20 बोतल नशीली कफ सिरप बरामद की थी कुल 175 बोतलों के साथ एक कार भी जब्त की गई थी

ट्रॉयल कोर्ट ने आरोपियों को सुनाई सजा: पुलिस ने सभी आरोपियों को जेल भेजने के बाद चार्जशीट प्रस्तुत किया जिसके बाद ट्रायल में उन्हें दोषी पाया जिसके बाद आरोपियों को कोर्ट ने जुर्माने के साथ ही सश्रम कारावास की सजा सुनाई निचली अदालत के फैसले के खिलाफ चारों ने हाई कोर्ट में अपील की थी अपील में आरोपियों की तरफ से वकील ने तर्क दिया कि महिला आरोपी की तलाशी के समय नियमों का पालन नहीं हुआ। इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि बैग या पर्स की तलाशी लेना व्यक्तिगत शरीर की तलाशी नहीं माना जाती।

दूध खो धाम में 21 मार्च से उमड़ेगा आस्था का सैलाब 108 कुंडीय महायज्ञ और रामकथा का होगा आयोजन

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। रतनगढ़ माता मंदिर के समीप स्थित पौराणिक एवं प्राकृतिक सौंदर्य से ओत-प्रोत दुर्वासा ऋषि की तपोस्थली, दूध खो धाम में आगामी 21 मार्च से 9 दिवसीय भव्य धार्मिक महोत्सव का शंखनाद होने जा रहा है इस महोत्सव के दौरान 108 कुंडीय लक्ष्मी नारायण अति महायज्ञ और श्रीमद् रामकथा का आयोजन किया जाएगा आयोजन को लेकर तैयारियां युद्ध स्तर पर अंतिम चरण में हैं कथा के शुभारंभ पर एक विशाल कलश यात्रा निकाली जाएगी जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे दूध खो धाम के महंत एवं कथा परीक्षित संत गणेश दास महाराज ने बताया कि इस महायज्ञ के संरक्षक दंदरौआ सरकार रामदास महाराज रहेंगे। कथा का वाचन सुप्रसिद्ध भजन गायक गौरव कृष्ण गोस्वामी करेंगे लगभग 10 हजार वर्ग फीट में विशाल यज्ञशाला का निर्माण किया गया है, जहां विद्वान आचार्यों द्वारा 108 कुंडों में विधि-विधान से आहुतियां दी जाएंगी प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से रामकथा की रसवर्षा होगी वहीं रात्रि में मनमोहक रासलीला का मंचन किया जाएगा कथा के उपरांत प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन होगा आयोजन समिति के अनुसार, प्रतिदिन 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है इसे देखते हुए व्यापक इंतजाम किए गए हैं सुगम यातायात के लिए आसपास की सड़कों को चौड़ा किया गया है।

रायसेन किला की पहाड़ी पर बाघ और तेंदुए के पगमार्क रेंजर बोले- कैमरे लगाए जा रहे

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन किले की पहाड़ी पर शुक्रवार को तेंदुए के पगमार्क मिले हैं। पुरातत्व विभाग के कर्मचारियों ने यहां बाघ के पगमार्क होने का भी दावा किया है। इन पगमार्क को सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों और पुरातत्व विभाग के कर्मचारियों ने देखा, जिसके बाद वन विभाग को सूचित किया गया। दरअसल, शुक्रवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर पहुंचे लोगों को किले की पहाड़ी पर वाहन वाले रास्ते और गुफा मंदिर की ओर जाने वाले रास्ते के आसपास पगमार्क दिखाई दिए। इसी रास्ते पर पुरातत्व विभाग के कर्मचारियों को भी ये निशान मिले। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही रेंजर प्रवेश पाटीदार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने पगमार्क वाले स्थान का निरीक्षण किया और उनकी जांच की। रेंजर पाटीदार ने बताया कि यह क्षेत्र तेंदुए का विचरण क्षेत्र है, इसलिए किले की पहाड़ी पर अक्सर तेंदुए के पग मार्ग मिलते रहते हैं। वन विभाग की टीम अब पहाड़ी क्षेत्र में अलर्ट मोड पर है। विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। जिन स्थानों पर पग मार्ग मिले हैं, वहां कैमरे भी लगाए जा रहे हैं। इसके अलावा, वन विभाग द्वारा क्षेत्र में मुनादी भी कराई जा रही है, ताकि मॉर्निंग वॉक पर किले की पहाड़ी पर पहुंचने वाले लोग सतर्कता बरतें। बताया जा रहा है कि किले की पहाड़ी पर तेंदुए की आवाजाही अक्सर बनी रहती है। गर्मी का मौसम शुरू होते ही पहाड़ी के पास स्थित एक तालाब में जानवर पानी पीने आते हैं, जिससे उनका मूवमेंट बढ़ जाता है।

नर्मदापुरम में मिस्त्री ने फांसी लगाकर दी जान:मोबाइल कॉल रिसीव नहीं होने पर घर पहुंचे दोस्त

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के आदर्श नगर में किराए के मकान में रहने वाले 25 साल के युवक ने फांसी के फंदे पर लटकाकर जान दे दी। युवक का शव घर की बाथरूम में फंदे पर लटका मिला। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर देहात थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मर्ग कायमी के बाद गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम हुआ। जिसके बाद परिजन शव अंतिम संस्कार के लिए गए। मृतक आकाश कंथेले पिता स्व. मुन्नू कंथेले निवासी रायखेड़ी रोड पिपरिया है। वह टाइल्स लगाने का काम करता था। आकाश कुछ महीने से नर्मदापुरम के आदर्शनगर में गोविंद हलवाई के किराए के मकान में रह रहा था। एसआई मोनिका गौर ने बताया बुधवार रात को उसके दोस्त शुभम और मामा का बेटा राज उसे कॉल लगा रहे थे। लेकिन उसने कॉल रिसीव नहीं किया। जिसके बाद शुभम और राज उसके किराए के मकान में पहुंचे थे।

सुसाइड की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी : दर से लॉक नहीं होने से वो दरवाजा खोलकर वे कमरे में गए। ढूंढते ढूंढते उसे बाथरूम में देखा। जहां वो फांसी के फंदे पर लटका था, जिसे देख वो घबरा गए। पड़ोसियों की घटना की जानकारी दी। फिर पुलिस को बुलाया गया। घटना स्थल की जांच की गई। सुसाइड नोट नहीं मिला है। मृत्यु की वजह भी स्पष्ट नहीं हो पाई। उन्होंने बताया मृतक आकाश के पिता का एक साल पहले देहांत हो चुका है। तभी से उसके परेशान होने की जानकारी मिली है। परिजनों के बयान लेंगे और मोबाइल की कॉल डिटेल निकाली जाएगी, जिसके बाद सुसाइड की वजह स्पष्ट होगी।

3 किलो 360 ग्राम गांजे के साथ एक आरोपी गिरफ्तार पुलिस ने घेराबंदी की तो एक खेतों के रास्ते भागा

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर की देवरी थाना पुलिस ने गांजा तस्करी करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी मौके से भाग गया। कार्रवाई में पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 3 किलो 360 ग्राम गांजा जब्त किया है। थाने लाकर मामला दर्ज कर जांच में लिया गया है। पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि सागर की ओर से अवैध रूप से गांजा देवरी लाया जा रहा है। सूचना मिले ही पुलिस टीम गठित कर कार्रवाई के लिए रवाना की गई। टीम ने नेशनल हाईवे-44 पर स्थित मीरा ढाबा ओवर ब्रिज के पास चेकिंग लगाई। इसी दौरान मुखबिर के बतायानुसार बाइक क्रमांक एमपी 15 एमपी 4451 आते हुए नजर आई। पुलिस ने गाड़ी रोकने की कोशिश की। तभी बाइक पर पीछे बैठा आरोपी कूदकर खेतों की ओर भागा। जवानों ने पीछा किया। लेकिन पकड़ नहीं पाए। बाइक चालक को पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम जसमत पिता सुम्मेर सिंह कुचबंदिया उम्र 40 साल निवासी नई गल्ला मंडी के पास मोतीनगर सागर होना बताया। कार्रवाई में फरार हुए आरोपी का नाम विष्णु उर्फ कुक्कर उर्फ अर्जुन पिता राजकुमार कुचबंदिया निवासी ठाकुर बाबा मंदिर के पास मोतीनगर का होना बताया। आरोपी के पास मौजूद बैग की तलाशी ली। बैग से 3 किलो 360 ग्राम गांजा बरामद हुआ। गांजा मिलने पर पुलिस ने बाइक और गांजा जब्त कर आरोपी को थाने लाई। जहां एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। देवरी थाना प्रभारी हरिराम मानकर ने बताया कि गांजे के साथ पकड़ाए आरोपी से पूछताछ के बाद न्यायालय में पेश किया गया है। कार्रवाई में एक आरोपी फरार हो गया था। जिसकी तलाश की जा रही है। थाना प्रभारी आशुतोष श्रोत्रिय को मुखबिर से सूचना मिली थी। सूचना की पुष्टि के लिए पुलिस ने सादे कपड़ों में खेत पर जाकर फसल की वीडियोग्राफी कराई। हकीकत जानने के बाद, टीआई श्रोत्रिय ने पुलिस बल के साथ आरोपी के खेत पर छापा मारा। पुलिस टीम ने खेत से गांजे के हरे पौधों को उखाड़कर जब्त कर लिया और आरोपी बेटू कुशवाहा को मौके से गिरफ्तार कर लिया। जब्त किए गए पौधों का कुल वजन लगभग 71 किलोग्राम पाया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया है।

सीहोर में 1600 सिलेंडर की बुकिंग वेटिंग

एजेंसी संचालक बोले, सर्वर की वजह से देरी शिकायतों के लिए कंट्रोल रूम शुरू

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में एलपीजी गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता है। हालांकि पिछले दो दिनों में करीब 1600 बुकिंग वेटिंग में पहुंच गई हैं। एजेंसी संचालकों का कहना है कि यह बुकिंग लगातार क्लियर की जा रही हैं और गैस की कोई कमी नहीं है। गैस एजेंसी संचालकों के अनुसार, अचानक ज्यादा बुकिंग आने या लोग मोबाइल नंबर अपडेट कराने पहुंचने के कारण सर्वर कुछ समय के लिए धीमा या डाउन हो जाता है। इसी वजह से बुकिंग में थोड़ी देरी हो रही है।

शिकायतों के लिए कंट्रोल रूम शुरू : खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने गैस से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए जिला और अनुभाग स्तर पर कंट्रोल रूम शुरू किया है। जिला स्तरीय कंट्रोल रूम का नंबर 9111568661 है। यह कंट्रोल रूम अगले आदेश तक रोज सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक संचालित रहेगा।

कालाबाजारी रोकने के लिए बैठक : गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी रोकने के लिए एसडीएम नितिन टाले, आष्टा थाना प्रभारी और कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी ने एलपीजी वितरकों के साथ बैठक की। बैठक में घरेलू और कमर्शियल सिलेंडरों के स्टॉक की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि जमाखोरी या कालाबाजारी मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद आष्टा की कई गैस एजेंसियों के गोदामों का भी निरीक्षण किया गया।

कुछ कमर्शियल उपभोक्ताओं को फिलहाल सप्लाई बंद : ऑयल कंपनी के अनुसार अभी अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को छोड़कर अन्य वाणिज्यिक उपभोक्ताओं जैसे होटल, मॉल, फैक्ट्री और औद्योगिक इकाइयों को कमर्शियल गैस की आपूर्ति फिलहाल नहीं की जाएगी। जरूरी सेवाओं जैसे अस्पताल, स्कूल, पुलिस, सीआरपीएफ, डिफेंस और जेल आदि के लिए गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने का आकलन किया जा रहा है। गैस से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए जिला और अनुभाग स्तर पर कंट्रोल रूम शुरू किया है। जिला स्तरीय कंट्रोल रूम का नंबर 9111568661 है। यह कंट्रोल रूम अगले आदेश तक रोज सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक संचालित रहेगा। गैस एजेंसी संचालक मुस्तफा हुसैन ने बताया कि जिले में गैस पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। लोग ओटीपी के लिए मोबाइल नंबर अपडेट कराने आ रहे हैं और अचानक ज्यादा कॉल या बुकिंग होने से सर्वर धीमा हो जाता है। उन्होंने कहा कि वेटिंग बुकिंग लगातार क्लियर की जा रही है।

झाबुआ में कार टायर फटने से पलटी सीट बेल्ट लगाने से परिवार के चार लोग बाल-बाल बचे

मीडिया ऑडीटर, झाबुआ (निप्र)। झाबुआ के पास नेशनल हाईवे 47 पर शुक्रवार दोपहर बड़ा हादसा होते-होते टल गया। इंदौर का एक परिवार उस वक्त मौत के मुंह से सुरक्षित बाहर निकल आया जब उनकी चलती कार का टायर फट गया। गनीमत रही कि परिवार के सभी सदस्यों ने सीट बेल्ट लगा रखी थी, जिसने उनकी जान बचा ली। इंदौर की सिलिकॉन सिटी में रहने वाले संतोष सुकांत मोहंती अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ कार से गुजरात के भरूच जा रहे थे। वहां उन्हें एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होना था। सफर के दौरान झाबुआ के पास अचानक उनकी कार का टायर फट गया, जिससे गाड़ी बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराई और सड़क पर ही पलट गई।

सीट बेल्ट ने ढाल बनकर बचाई जान : हादसा इतना खतरनाक था कि गाड़ी को काफी नुकसान पहुंचा, लेकिन सीट बेल्ट लगी होने के कारण परिवार का कोई भी सदस्य वाहन से बाहर नहीं फेंका गया।

संतोष मोहंती के हाथ में हल्की चोट आई, जबकि उनकी पत्नी और डेढ़ और चार साल के दोनों बच्चों को खरोंच तक नहीं आई। सूचना मिलते ही ट्रैफिक सूबेदार कमल मिंदल अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और संतोष को इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया।

पुलिस ने पेश की मानवता की मिसाल : अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद ट्रैफिक पुलिस ने इस परिवार की पूरी मदद की। सूबेदार कमल मिंदल और उनकी टीम ने न केवल हाईवे से दुर्घटनाग्रस्त कार को हटवाकर रास्ता साफ करवाया, बल्कि परिवार के लिए दूसरे वाहन का इंतजाम भी किया।

पुलिस ने पूरे परिवार को सुरक्षित इंदौर के लिए रवाना किया और उनकी क्षतिग्रस्त कार को भी क्रेन की मदद से इंदौर भिजवा दिया।

स्कॉर्पियो सवार 8 बदमाशों ने किसान के घर लूट की

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले के नर्मदानगर थाना क्षेत्र के पामाखेड़ी गांव में गुरुवार सुबह 6 बजे स्कॉर्पियो सवार 8 बदमाशों ने एक किसान के घर लूट की वारदात को अंजाम दिया है। बदमाशों ने घर के 3 चौकीदारों को बंधक बनाकर 1 लाख 60 हजार रुपए नकद और एक 12 बोर की बंदूक लूट ली। पुलिस मामले की जांच कर रही है और बदमाशों की तलाश शुरू कर दी गई है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, लूट की यह वारदात पामाखेड़ी गांव के रहने वाले संपन्न किसान ललित सोलंकी के घर हुई है। गुरुवार सुबह करीब 6 बजे स्कॉर्पियो से आए 8 बदमाशों ने घर में घुसकर सबसे पहले तीन चौकीदारों के साथ मारपीट की। इसके बाद बदमाशों ने उन्हें बंधक बना लिया और कमरों में जाकर अलमारियों के ताले तोड़कर 1.60 लाख रुपए नकद व 12 बोर की बंदूक अपने कब्जे में ले ली।

वारदात के वक्त घर से बाहर था परिवार : घटना की जानकारी मिलने पर नर्मदानगर थाना टीआई विकास खिंची तुरंत मौके पर पहुंचे और पुलिस ने मामले को जांच में लिया है। वारदात के समय पीड़ित किसान ललित और उनके परिवार के अन्य सदस्य घर से बाहर गए हुए थे। बताया जा रहा है कि स्कॉर्पियो सवार बदमाशों ने आते ही चौकीदारों से पूछा था कि 'ललित कहां है?', जिससे अंदेशा है कि लूट करने वाले बदमाश परिवार से पूर्व परिचित हो सकते हैं।

खरगोन में मार्च में ही मई जैसी गर्मी पारा 38 डिग्री पहुंचा, आने वाले दिनों में और बढ़ेगा तापमान

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन में गर्मी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले एक सप्ताह से दोपहर के समय तेज गर्मी महसूस की जा रही है और तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। शुक्रवार को जिले का अधिकतम तापमान 38.0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जबकि न्यूनतम तापमान 19.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर-पश्चिम दिशा से आ रही गर्म हवाओं के कारण मार्च में ही मई जैसी गर्मी का एहसास होने लगा है।

एक सप्ताह में 2 डिग्री बढ़ा तापमान : पिछले कुछ दिनों में तापमान में लगातार वृद्धि देखी गई है। सोमवार को अधिकतम तापमान करीब 36 डिग्री सेल्सियस था, जो बढ़कर अब 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। दोपहर के समय गर्मी अधिक होने के कारण लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं गर्मी बढ़ने के साथ ही बाजारों में दिन के समय आवाजाही कम हो गई है। वहीं शीतल पेय और मौसमी फलों की दुकानों पर भीड़ बढ़ने लगी है। ठंडे पेय पदार्थों और तरबूज, खरबूज जैसे फलों की मांग में भी बढ़ोतरी देखी जा रही है।

हवा की दिशा बदलने से बढ़ी गर्मी : मौसम विभाग के अनुसार हवा की दिशा अब उत्तर-पूर्व से बदलकर पश्चिम और उत्तर-पश्चिम हो गई है। यह हवाएं रेगिस्तानी क्षेत्रों से आ रही हैं, जिससे दिन के समय तापमान अधिक बना हुआ है। हालांकि देर रात और सुबह के समय हल्की ठंडक महसूस हो रही है।

मई में 45 डिग्री तक पहुंच सकता है पारा : मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी की संभावना जताई है। अनुमान है कि मई महीने में जिले का तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। पिछले कुछ दिनों में तापमान लगातार बढ़ रहा है। 7 मार्च को अधिकतम तापमान 36 डिग्री था, जो 8 मार्च को 36.4 और 9 मार्च को 36.2 डिग्री रहा।

खजुराहो में गेहूं के खेत में उगाया गांजा 75 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, खजुराहो (निप्र)। बमीठा पुलिस ने ग्राम पहरा में एक गेहूं खेत से भारी मात्रा में गांजा के पौधे जब्त किए हैं। पुलिस ने 75 वर्षीय आरोपी बेटू कुशवाहा को गिरफ्तार किया है, जो अपनी कृषि भूमि पर गेहूं की फसल के साथ अवैध रूप से गांजे की खेती कर रहा था। जब्त किए गए पौधों का वजन 71 किलोग्राम से अधिक है, जिसकी अनुमानित कीमत लाखों रुपए बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, आरोपी बेटू कुशवाहा (पिता परमा कुशवाहा) निवासी पहरा ने अपनी एक बीघा कृषि भूमि में लगभग 483 छोटे-बड़े गांजा के पौधे लगा रखे थे। बताया गया है कि आरोपी तंत्र-मंत्र की विद्या जानता था, जिसके कारण ग्रामीण उससे दूरी बनाए रखते थे और डरते थे। इसी का फायदा उठाकर वह गांजे की खेती कर रहा था।

वीडियोग्राफी के बाद कार्रवाई: बमीठा थाना प्रभारी आशुतोष श्रोत्रिय को मुखबिर से सूचना मिली थी। सूचना की पुष्टि के लिए पुलिस ने सादे कपड़ों में खेत पर जाकर फसल की वीडियोग्राफी कराई। हकीकत जानने के बाद, टीआई श्रोत्रिय ने पुलिस बल के साथ आरोपी के खेत पर छापा मारा। पुलिस टीम ने खेत से गांजे के हरे पौधों को उखाड़कर जब्त कर लिया और आरोपी बेटू कुशवाहा को मौके से गिरफ्तार कर लिया। जब्त किए गए पौधों का कुल वजन लगभग 71 किलोग्राम पाया गया। आरोपी बेटू कुशवाहा के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया है और मामले में आगे की विवेचना जारी है।

रतलाम में छेड़छाड़ के आरोपी को 3 साल की सजा

मंदिर छोड़ने के बहाने खेत पर ले गया, हाथ पकड़ अपनी तरफ खींचा लड़की ने दौड़ कर अपने भाई को बताया

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। मंदिर छोड़ने के बहाने बाइक पर बैठाकर खेत में ले जाकर बालिका के साछ छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को कोर्ट ने 3 साल के कारावास की सजा सुनाई है। 1 हजार रुपए के अर्थदंड से भी दंडित किया है। फैसला विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट राकेश कुमार शर्मा ने दिया है। सहायक निदेशक अभियोजन आशा शाक्यवार ने बताया 8 सितंबर 22 को थाना सैलाना पर बालिका ने अपने पिता व भाई के साथ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बताया कि वह व उसकी दो बहनों के साथ गणेश मंदिर पर आरती के लिए जा रहे थे। रास्ते में उनके पडोस में रहने वाले अनिल पाटीदार (35) पिता राजेश पाटीदार निवासी थाना सैलाना बाइक से उनके पास आया। कहा कि चलो वह उन्हें मंदिर छोड देगा। तीनों बहनें उसकी बाइक पर बैठ गई। थोडी दूर जाने के बाद गणेश मंदिर के पहले रास्ते में अनिल पाटीदार ने बाइक से दो बहनों को उतार दिया। एक बहन को कहा कि चलो तुम्हारी मम्मी को भी लेकर आते है।तब

रास्ते में उसका भाई मिला। उसे पूरी घटना बताई। इसके बाद थाने पहुंच रिपोर्ट दर्ज कराई।

गली में मोड़ दी बाइक : आरोपी बालिका को लेकर वापस घर जाने के लिए निकला। तभी सामने से बालिका की मां व भाभी आते हुए दिखे तो अनिल ने उन्हें देखकर बाइक को गली में मोड़ दी। अपने खेत की तरफ लेकर गया। बालिका ने कहा कि मम्मी व भाभी पीछे रह गए। तब अनिल ने कहा कि खेत होकर आ रहे है। आरोपी ने बाइक खेत में ले जाकर रोक दी। बालिका का बुरी नियत से हाथ पकडा। अपनी तरफ उसे खींचकर छुने लगा। बालिका ने शोर मचाते हुए घर की तरफ भागी। तब रास्ते में उसका भाई मिला। उसे पूरी घटना बताई। इसके बाद थाने पहुंच रिपोर्ट दर्ज कराई।

कोर्ट ने माना दोषी : कोर्ट में विचारण के दौरान विशेष न्यायालय के समक्ष अभियोजन द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य एवं विधिक तर्क के आधार पर आरोपी अनिल पाटीदार को दोषी मनाते हुए सजा का फैसला दिया। पैरवी विशेष लोक अभियोजक, सहायक जिला लोक अभियोजना अधिकारी गौतम परमार ने की।

मंदसौर के कालाखेत में वाहन पार्किंग पर विवाद

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर शहर के कालाखेत क्षेत्र स्थित रोड नंबर-1 पर शुक्रवार को दो पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि मामला मारपीट तक पहुंच गया। इस घटना में दोनों पक्षों के चार लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार अनमोल ज्वेलर्स और डलवानी बाजार के संचालकों के बीच यह विवाद हुआ। बताया जा रहा है कि गुरुवार को वहां वाहन खड़ा करने की बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई थी। इसी दौरान एक वाहन को नुकसान पहुंचने की बात भी सामने आई थी। बताया जाता है कि डलवानी बाजार के संचालक की ओर से अनमोल ज्वेलर्स पक्ष को मोटरसाइकिल ठीक कराने की बात कही गई थी। इसी बात को लेकर शुक्रवार को दोनों पक्ष फिर आमने-सामने आ गए और विवाद बढ़ते-बढ़ते मारपीट में बदल गया। बाद में स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव कर दोनों पक्षों को अलग किया। मारपीट में डलवानी बाजार के संचालक हनी डलवानी और शंकर डलवानी घायल हो गए।

'द हंड्रेडः सनराइजर्स की टीम ने पाकिस्तानी खिलाड़ी को खरीदा

सैम अयूब, हारिस रऊफ-शादाब खान नहीं बिके

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के 100-100 गेंद वाले टूर्नामेंट द हंड्रेड की नीलामी में सनराइजर्स लीड्स की टीम ने पाकिस्तान के लेग स्पिनर अबरार अहमद को 1,90,000 पाउंड (2.3 करोड़) में अपने साथ जोड़ा। ऐसी खबरें आई थीं कि आईपीएल फ्रेंचाइजी मालिकों द्वारा खरीदी गई टीमें पाकिस्तानी खिलाड़ियों के लिए बोली नहीं लगाएंगी और गुरुवार को नीलामी की शुरुआत में ऐसा ही देखने को मिला। मिस्ट्री स्पिनर उस्मान तारिक अकेले ऐसे खिलाड़ी थे जिन्हें कोई खरीदार मिला। बर्मिंघम फीनिक्स और ट्रेंट रॉकेट्स ने उनके लिए बोली लगाई। फीनिक्स ने उन्हें 1,40,000 पाउंड में खरीदा। दोनों टीमें किसी आईपीएल फ्रेंचाइजी से नहीं जुड़ी हैं। सैम अयूब, हारिस रऊफ और शादाब खान जैसे पाकिस्तानी खिलाड़ी नहीं बिके, लेकिन अबरार का नाम आते ही मामला बढ़ा। उनका बेस प्राइस 75 हजार पाउंड था।

एशियन गेम्स में टी20 टीम और वनडे टीम करेगी वेस्टइंडीज का सामना?

भारतीय क्रिकेट की दो टीमें खेल सकती हैं एकसाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय खिलाड़ी टी20 वर्ल्ड कप के बाद अब दो महीने से ज्यादा तक आईपीएल 2026 में व्यस्त रहेंगे। इसके बाद टीम इंडिया टी20 फॉर्मेट में पूरे साल लगातार व्यस्त रह सकती है। इंग्लैंड, अफगानिस्तान के खिलाफ यूएई, बांग्लादेश और एशियन गेम्स के लिए जापान जाना तय है। वहीं इसमें अब कई सीरीज जुड़ने की भी आशंका है। इसके अलावा सितंबर-अक्टूबर में जब भारतीय टीम को एशियन गेम्स में खेलना है, उसी दौरान वेस्टइंडीज से वनडे सीरीज भी होनी है। क्रिकबज के मुताबिक भारतीय टी20 टीम के कैलेंडर में जुलाई-अगस्त के दौरान श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज जोड़ी जा सकती है। हालांकि, दो टेस्ट के लिए भारतीय टीम का श्रीलंका दौरे पर जाना पहले से तय है। रिपोर्ट में बताया गया कि श्रीलंका क्रिकेट ने बीसीसीआई से आग्रह किया है कि बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए टी20 सीरीज करवाई जाए। इस दौरे से पहले भारतीय टीम तीन वनडे और पांच टी20 के लिए इंग्लैंड का दौरा 1 जुलाई से 19 जुलाई तक करेगी। वहीं इसके बाद भारतीय टीम बीसीसीआई और क्रिकेट आयरलैंड के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक तीन मैचों की सीरीज के लिए डबलिन जा सकती है। रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से बताया गया कि इस पर चर्चा जारी है। यह सीरीज इंग्लैंड दौरे से ठीक पहले भी की जा सकती है। भारतीय टीम आईपीएल के बाद 6 जून से 20 जून तक अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन वनडे मैच खेलेगी।

एकसाथ खेलेंगी भारत की दो टीमें?

सितंबर में वेस्टइंडीज की टीम तीन वनडे और पांच टी20 मैचों की सीरीज के लिए भारत का दौरा कर सकती है। यह सीरीज अक्टूबर तक चल सकती है। वहीं 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक एशियन गेम्स में भी पुरुष क्रिकेट के मैच खेले जाएंगे। भारतीय टीम इन एशियाई खेलों में अपना गोल्ड मेडल डिफेंड करने उतरेगी। भारत ने पिछले संस्करण में ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में स्वर्ण पदक जीता था। इसी कारण संभावना है कि एक तरफ एशियन गेम्स में भारत की टी20 टीम जापान में खेलेगी, और वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की वनडे टीम घरेलू सरजमीं पर उतर सकती है। इसके बाद 18 अक्टूबर को भारतीय टीम को 5 वनडे, पांच टी20 और दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए न्यूजीलैंड के दौरे पर पहुंचना होगा। हाल ही में न्यूजीलैंड क्रिकेट और बीसीसीआई के बीच आपसी सहमति के बाद सीरीज में दो वनडे मैच बढ़ाने की बात सामने आई थी। यह दौरा 22 अक्टूबर से शुरू हो सकता है। फिर दिसंबर में स्वदेश लौटने के बाद भारतीय टीम अपने घर पर तीन वनडे और तीन टी20 के लिए श्रीलंका का सामना कर सकती है। इसके बाद जनवरी-फरवरी 2027 में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी आईपीएल 2027 से पहले होगी।

'साउथ अफ्रीका सबसे बेवकूफ टीम'

माइकल वॉन का अजीब बयान, प्रोटियाज की आड़ में निकाली भारत के चैंपियन बनने पर खीज

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन अक्सर अपने बेतुके बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं। अब टी20 वर्ल्ड कप के बाद उन्होंने साउथ अफ्रीका की टीम के लिए विवादास्पद बयान दिया है। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप 2026 की सबसे बेवकूफ टीम साउथ अफ्रीका को बताया है। उनका मानना है कि साउथ अफ्रीका को भारत को टूर्नामेंट से बाहर करने के लिए वेस्टइंडीज से जीतना नहीं चाहिए था।

माइकल वॉन का यह कहना दर्शाता है कि उन्हें साउथ अफ्रीका से ज्यादा इस बात का दुख है कि भारत ने सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराया। क्योंकि उनका साफ मानना है कि टूर्नामेंट जीतने के लिए बेस्ट खेलने से पहले आप बेस्ट टीम को ही बाहर करने की सोचें। यह सोच दर्शाती है कि उनका यह बयान कितना अजीबोगरीब है। आपको बता दें कि वेस्टइंडीज से जीतने के बाद साउथ अफ्रीका ने भारत को टूर्नामेंट में बरकरार रखा था। अगर वेस्टइंडीज साउथ अफ्रीका को हरा देती तो टीम इंडिया अपने अंतिम दो मैच जीतकर भी सुपर 8 से बाहर हो सकती थी। जबकि हुआ ऐसा कि साउथ अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को हराया और टीम इंडिया अपने आखिरी दोनों मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंच गई। इस तरह साउथ अफ्रीका और भारत ने सेमीफाइनल में जगह बनाई।

क्या बोले माइकल वॉन?

इंग्लैंड के एक पॉडकास्ट में बात करते हुए माइकल वॉन ने यह अजीब बयान दिया। उन्होंने कहा, 'मैं आपको बताता हूं कि इस टूर्नामेंट की सबसे बेवकूफ टीम कौन सी थी? साउथ अफ्रीका, क्योंकि अगर साउथ अफ्रीका वेस्टइंडीज को जीतने देती सुपर 8 में तो भारतीय टीम बाहर हो जाती। मैं सिर्फ कह रहा हूं कि अगर उन्हें (भारत को) बाहर कर दिया जाता, तो उन्हें रोका जा सकता था। उस मैच को जीतकर साउथ अफ्रीका ने उन्हें मौका दिया।' वॉन ने आगे कहा, 'फिर भारत ने जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई और फिर इंग्लैंड को हराते हुए फाइनल में पहुंची। साउथ अफ्रीका ने जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने तीन बड़े खिलाड़ियों को आराम दे दिया। देखिए यह सब अचानक होता है। मैं बस यह कहना चाहता हूं कि अगर आपको टूर्नामेंट जीतना है तो इसका बेस्ट तरीका है कि सबसे अच्छी टीम को बाहर करें।'

'क्या कभी उन्होंने 15 रन देकर 8 विकेट लिए हैं?'

● कुक ने बुमराह पर उठाए सवाल, टेस्ट क्रिकेट का दिया हवाला

मैच में 10 नहीं ले पाए बुमराह

टेस्ट क्रिकेट में बुमराह ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2019 में किया था। उन्होंने जमैका में 27 रन देकर 6 विकेट लिए। इसमें एक हैट्रिक भी शामिल थी। कुल मिलाकर उन्होंने टेस्ट में 16 बार एक पारी में 5 विकेट लिए हैं, लेकिन अभी तक मैच में 10 विकेट नहीं लिए हैं। 86 रन देकर 9 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलेस्टेयर कुक ने जसप्रीत बुमराह की टेस्ट में मैच जिताने की काबिलियत पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने 2015 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज टेस्ट में स्टुअर्ट ब्रॉड के 15 रन देकर 8 विकेट वाले स्पेल का उदाहरण देते हुए कहा कि बुमराह ने कभी पूरी विपक्षी टीम को नहीं निपटाया। 40 साल के कुक ने भारतीय गेंदबाज की तारीफ करते हुए उन्हें 'सभी फॉर्मेट का सबसे अच्छा गेंदबाज' बताया, लेकिन इस बात पर शक जताया कि वह विकेट लेने के साथ-साथ किफायती भी हो सकते हैं। स्टिक टू क्रिकेट पॉडकास्ट पर कुक ने कहा, 'क्या वह टेस्ट क्रिकेट में मैच जिताने वाले स्पेल के मामले में बेस्ट हैं? बिना किसी शक के मुझे लगता है कि वह सभी फॉर्मेट के बेस्ट बॉलर हैं। मेरा मतलब है आप यह आसानी से कह सकते हैं, लेकिन क्या उन्होंने किसी टेस्ट मैच में 15 रन देकर 8 विकेट जैसा स्पेल किया है या वह उस तरह के बॉलर नहीं हैं?'

बुमराह ने टी20 वर्ल्ड कप में 14 विकेट लिए

इंग्लैंड के एक और पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा कि बुमराह अब तक के सबसे अच्छे गेंदबाज हैं और क्रिस्टियानो रोनाल्डो या लियोनेल मेसी जैसी आभा रखते हैं। 32 साल के बुमराह ने टी20 वर्ल्ड कप में 14 विकेट लिए, जिसमें न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 15 रन देकर 4 विकेट भी शामिल है। यह उनकी दूसरी टी20 वर्ल्ड कप जीत थी। इससे पहले वे 2024 की जीत में भी शामिल थे, जहां उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था।

'संजू ने यशस्वी-रियान की वजह से राजस्थान को छोड़ा

● सीएसके की नहीं थी खरीदने में दिलचस्पी', विश्वनाथ ने किया खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। संजू सैमसन आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए पहली बार खेलते हुए नजर आएंगे, लेकिन इससे पहले वो राजस्थान रॉयल्स से क्यों अलग हुए उसके बारे में बड़ा खुलासा हुआ जो उनके पिता सैमसन विश्वनाथ ने किया। संजू के पिता ने बताया कि उनके बेटे ने यशस्वी जायसवाल और रियान पराग की वजह से ये कदम उठाया।

राजस्थान ने मेरे बेटे को सबकुछ दिया

विश्वनाथ ने न्यूज 18 केरल पर बात करते हुए कहा कि राजस्थान रॉयल्स ने मेरे बेटे को सबकुछ दिया। हालांकि संजू की कप्तानी में राजस्थान टाइटल नहीं जीत पाई, लेकिन मेरे बेटे के सिर पर एक ताज था। मैं आमतौर पर आईपीएल में राजस्थान के एक या दो मैच देखने जाता हूं और मैं दूर से देखता था कि संजू को वहीं कितना सम्मान मिलता था। राजस्थान फ्रेंचाइजी ने संजू के साथ एक राजा के जैसा बर्ताव किया।

यशस्वी-रियान के मन में कप्तानी की थी चाहत

विश्वनाथ ने आगे कहा कि वो कई साल से राजस्थान के लिए खेल रहा था। यशस्वी जायसवाल और रियान पराग इसी टीम में उनके साथ बड़े हुए। संजू पिछले 4-5 साल से इस टीम की कप्तानी कर रहे थे, लेकिन हमें लगा कि यशस्वी और रियान के मन में कप्तानी की चाहत जागने लगी है। संजू और मुझे लगा कि वहां उनकी लगातार मौजूदगी उन दोनों के लिए एक रुकावट बन रही थी। हमने मिलकर इस पर चर्चा की।

सीएसके की संजू में नहीं थी दिलचस्पी

विश्वनाथ ने बताया कि संजू ने मुझसे कहा कि डैड, हमें इसे खत्म कर देना चाहिए। अगर वह ऐसी कोई बात कहता है तो मैं उससे कभी यह नहीं पूछता कि तुम ऐसा क्यों कर रहे हो क्योंकि मुझे पता है कि उसकी बात के पीछे कोई न कोई ठोस वजह जरूर होती है। इसलिए मैंने उससे आगे कोई सवाल नहीं पूछा। इस दौरान विश्वनाथ ने कहा कि शुरुआत में सीएसके की संजू में कोई दिलचस्पी नहीं थी और मुंबई व केकेआर जैसी टीमों ने उसमें दिलचस्पी दिखाई थी। हालांकि जब सीएसके टीम सामने आई तो संजू ने साफ किया कि वो एमएस धोनी के साथ खेलना चाहता है और सीएसके के साथ जुड़ना चाहता है।

भज्जी ने बताया, 'नाम बड़े और दर्शन छोटे'

हार्दिक पंड्या की कप्तानी में मुंबई IPL 2026 टाइटल की दावेदार है या नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। हार्दिक पंड्या की कप्तानी में मुंबई इंडियंस आईपीएल 2026 में उतरने के लिए पूरी तरह से तैयार है। हार्दिक पिछले 2 साल से मुंबई की कप्तानी कर रहे हैं, लेकिन वो इस टीम को चैंपियन नहीं बना पाए हैं। मुंबई इस लीग की सबसे सफल टीमों में से एक है जिसके नाम 5 खिताब हैं, लेकिन इस बार इस टीम की जीत की कितनी संभावना है साथ ही क्या ये टीम टाइटल की दावेदार है इसके बारे में हरभजन सिंह ने बताया।

ऑन पेपर टाइटल की दावेदार है मुंबई- हरभजन सिंह ने स्टार स्पोर्ट्स पर बात करते हुए कहा कि देखिए ऑन पेपर आप मुंबई इंडियंस टीम को देखेंगे तो आप कहेंगे कि ये टीम बिल्कुल आईपीएल 2026 टाइटल की दावेदार है। मुंबई इंडियंस की जिस तरह की बल्लेबाजी है और हार्दिक पंड्या की जिस तरह की फॉर्म है। रोहित शर्मा अब रेगुलर नहीं खेल रहे हैं, फिर भी उनसे बहुत सारी उम्मीदें रहती है। रेयान रिकेल्टन अभी-अभी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अच्छा खेलकर आए हैं तो वहीं क्विंटन डिकॉक भी शानदार लय में हैं।

नाम बड़े, लेकिन दर्शन छोटे- भज्जी ने मुंबई की बैटिंग लाइनअप के बारे में आगे कहा कि रदरफोर्ड भी अच्छा करके आए हैं जबकि सूर्यकुमार यादव इतना जबरदस्त खेलते हैं तो इस टीम पर आप निगाहें डालोगे तो ऐसा लगता है कि हां, इनके साथ मैच है तो मुश्किल होगा इस टीम को हराना पर क्या ये टीम अपने उस लहजे से खेलेगी ये एक बड़ा चैलेंज होगा और यही हार्दिक पंड्या के लिए भी पिछले दो साल से चैलेंज रहा है। नाम बहुत बड़े-बड़े थे टीम में, लेकिन दर्शन वैसा रहा नहीं है।

बेहतर लीडर के तौर पर नजर आएंगे हार्दिक पंड्या

पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने आगे कहा कि उम्मीद करते हैं कि इस साल ये टीम अच्छा खेलेगी। हार्दिक पंड्या बेहतर लीडर नजर आएंगे और हमने गुजरात टाइटंस के लिए जो उन्हें करते हुए देखा था वो यहां पर वैसा नहीं कर पाए हैं। उम्मीद करते हैं कि हार्दिक पंड्या इस बार वो कमांड लेंगे और बल्ले व गेंद के साथ वो खुद एक लीडर के तौर पर एक अच्छा एग्जांपल पेश करेंगे।

मानव तस्करी का शक

पहलवान बनकर हंगरी जाने की साजिश! वीजा के लिए WFI का फर्जी लेटर पकड़ा गया

नई दिल्ली, एजेंसी। मानव तस्करी के शक से जुड़ा एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें कुछ लोग खुद को भारतीय पहलवान बताकर हंगरी जाने के लिए वीजा हासिल करने की साजिश रच रहे थे। इसके लिए उन्होंने रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के नाम से जारी कथित सिफारिशी पत्र भी दूतावास में जमा कराया। जांच में यह दस्तावेज फर्जी निकला, जिसके बाद पूरे मामले पर सवाल खड़े हो गए हैं और संभावित मानव तस्करी की आशंका जताई जा रही है। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने साफ किया है कि जमा किए गए दस्तावेज नकली थे। दूतावास ने गुरुवार 12 मार्च 2026 को WFI से सत्यापन मांगा। दूतावास को जो वीजा आवेदन मिले थे, उसके समर्थन में एक सिफारिशी पत्र भी लगा था। यह सिफारिशी पत्र कथित तौर पर भारतीय कुश्ती महासंघ ने 04 मार्च को जारी किया था। यह पत्र बुडापेस्ट में 15 से 22 मार्च तक होने वाले इंटरनेशनल रेसलिंग ट्रेनिंग एंड कॉम्पिटिशन प्रोग्राम में हिस्सा लेने के लिए था।

WFI ने पकड़ी फर्जी सिफारिश

डब्ल्यूएफआई (WFI) ने तुरंत जवाब दिया और कहा कि पत्र नकली था और इसे फेडरेशन ने जारी नहीं किया था। डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने दूतावास को भेजे जवाब में कहा, 'इसका संदर्भ 12 मार्च के आपके ई-मेल से है जिसमें दस्तावेज के असली होने के बारे में सफाई मांगी गई थी... साथ में दिया गया पत्र नकली है और इसे रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (WFI) ने जारी नहीं किया है।' महासंघ ने दस्तावेज में कुछ कमियां भी बताई, जिसमें एक पुराने पदाधिकारी के नाम का गलत तरीके से इस्तेमाल होना भी शामिल है। संजय सिंह ने कहा, 'यह भी साफ किया जाता है कि मिस्टर वीएन प्रसूद अब WFI के महासचिव के पद पर नहीं हैं और अभी WFI के उपाध्यक्ष के तौर पर काम कर रहे हैं। मिस्टर प्रसूद से मामले की पुष्टि हो गई है। उन्होंने ऐसा कोई भी पत्र जारी करने से साफ इनकार किया है।' दूतावास को दिए गए फर्जी पत्र के मुताबिक, 11 पहलवानों और एक मैनेजर को बुडापेस्ट जाने के लिए वीजा देने की सलाह दी गई थी, जिसमें एक स्थानीय जगह पर ट्रेनिंग और कॉम्पिटिशन प्रोग्राम का हवाला दिया गया था। दस्तावेज में एक संदर्भ नंबर भी था और कहा जा रहा है कि दूतावास से एथलीटों को वीजा देने की मांग की गई थी।

फिफा विश्वकप: डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाड़ियों को चेताया

'अपनी जिंदगी और सुरक्षा का ध्यान रखें'

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार (12 मार्च) को कहा कि उन्हें नहीं लगता कि ईरानी फुटबॉल टीम का इस साल अमेरिका की सह-मेजबानी में होने वाले वर्ल्ड कप में शामिल होना सही होगा। उन्होंने ईरानी खिलाड़ियों की सुरक्षा चिंताओं को कारण बताया। दोनों देश युद्ध में उलझे हुए हैं। इससे पहले बुधवार को ईरान के खेल मंत्री ने कहा था कि ईरान फीफा वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं लेगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया पर कहा, 'ईरान की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का वर्ल्ड कप में स्वागत है, लेकिन मुझे सच में नहीं लगता कि उनका यहां होना उनकी जान और सुरक्षा के लिए सही होगा।' इससे पहले फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा था कि ट्रंप ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि ईरानी खिलाड़ियों और कोच का स्वागत किया जाएगा। न्यूज एजेंसी एपी से व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर ईरान के हिस्सा लेने के बारे में इन्फेंटिनो को ट्रंप के संदेश की पुष्टि की।

या अमेरिका में ईरानी खिलाड़ियों को खतरा

व्हाइट हाउस ने यह साफ नहीं किया है कि ट्रंप का 'अपनी जान और सुरक्षा' से क्या मतलब है। क्या वह 28 फरवरी से छिड़ी जंग के बाद अमेरिका में ईरानी खिलाड़ियों को खतरे को लेकर संकेत दिए हैं। टूर्नामेंट में 48 टीमों में से एक ईरान को कैलिफोर्निया के इंगलवुड में 15 जून को न्यूजीलैंड के खिलाफ और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ खेलना है। फिर 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ ग्रुप स्टेज का आखिरी मैच खेलना है।

ईरान पर अमेरिका में यात्रा प्रतिबंध

अमेरिका 11 जून से 19 जुलाई तक कनाडा और मेक्सिको के साथ टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है। जून से ट्रंप प्रशासन के आव्रजन पर रोक के तहत ईरान पर अमेरिका में यात्रा प्रतिबंध लगा हुआ है, लेकिन फीफा वर्ल्ड कप के हिस्सा देशों के खिलाड़ियों और कोच को छूट है।

आमजनों को शासन की योजनाओं का लाभ देना हमारी जिम्मेदारी है : कमिश्नर

जनहित के कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर होगी कड़ी कार्यवाही

मीडिया ऑडीटर, रीवा (नप्र)। रीवा संभाग के कमिश्नर बी.एस. जामोद ने कलेक्ट्रेट सभागार सीधी में आयोजित बैठक में शासन की उच्च प्राथमिकता की योजनाओं की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि सभी अधिकारी पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी से विभागीय कार्य करें तथा शासन की योजनाओं का लाभ आमजनता तक अधिकतम रूप से पहुंचाना सुनिश्चित करें। आमजनता से प्राप्त आवेदन पत्रों का संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि आमजनों को शासन की योजनाओं का लाभ देना हम सभी की जिम्मेदारी है तथा जनहित के कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। कमिश्नर ने कमिश्नर-कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस के एजेंडा बिंदुओं पर तत्परता से कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन में 50 दिनों से अधिक लंबित शिकायतों के निराकरण पर विशेष ध्यान देने तथा 100 दिवस से अधिक लंबित सभी शिकायतों का निराकरण 31 मार्च तक अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने उपलब्धियों की स्थिति पर नाराजगी व्यक्त की और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा सभी बीएमओ की विभागीय जांच कर उनकी दो-दो वार्षिक वेतनवृद्धियां रोकने के निर्देश दिए। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि संकल्प से समाधान अभियान में सीधी जिले ने संभाग में सबसे अच्छा कार्य किया है। जिले में आमजनता से प्राप्त 92025 आवेदन पत्रों में से 91273 आवेदन पत्रों का निराकरण किया गया है। इसके लिए उन्होंने कलेक्टर सहित सभी अधिकारियों को बधाई दी। कमिश्नर ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान 19 मार्च से आरंभ हो रहा है। इसकी कार्ययोजना दो दिवस में तैयार कर ली जाए। कार्ययोजना में गत वर्ष के जल संरक्षण के अधूरे कार्यों को पूर्ण करना, पौधारोपण की तैयारी तथा परंपरागत जल स्त्रोतों के सुधार को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। जल जीवन मिशन से स्वीकृत समूह नल-जल योजनाओं के कार्य अगस्त माह तक पूर्ण कराकर पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को निर्देश दिए कि गर्मी को देखते हुए सभी बसाहटों में पेयजल आपूर्ति की समुचित व्यवस्था की जाए। प्रत्येक विकासखंड में पेयजल व्यवस्था के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किया जाए तथा खराब हैंडपंपों के सुधार के लिए आवश्यक संसाधनों के साथ टीम तैनात की जाए।

कलेक्टर ने घरेलू गैस वितरण व्यवस्था की समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर,रीवा (नप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने विभिन्न गैस एजेंसियों द्वारा घरेलू उपभोक्ताओं को की गयी गैस वितरण की जानकारी प्राप्त करते हुए राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों से वितरण व्यवस्था की जानकारी ली। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिये कि पोर्टल के माध्यम से बुक की जा रही गैस प्राप्त करने वालों की अलग लाइन लगायें तथा भीड़ वाले एजेंसी/गोदाम/वितरण स्थल में राजस्व अधिकारी अतिरिक्त टीम लगाकर व्यवस्था बनवायें। उन्होंने वितरण स्थल में लाउडस्पीकर की व्यवस्थायें सुनिश्चित कराते हुए पीने के पानी की व्यवस्था कराने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि कालाबाजारी करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करें। बैठक में बताया गया कि विभिन्न गैस एजेंसियों द्वारा सुगमता से गैस का वितरण किया गया। लोगों को होम डिलिवरी के माध्यम से गैस घर में पहुंचाई गयी। इण्डियन ऑयल कार्पोरेशन के प्रतिनिधि ने जानकारी दी कि गैस बुकिंग के लिए पोर्टल कार्य कर रहा है। सभी लोग गैस बुकिंग के लिए इस माध्यम का ही उपयोग करें। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर के निर्देश पर शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों की गैस एजेंसियों व वितरण स्थल पर राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों की निगरानी में गैस सिलेण्डर का शांतिपूर्ण ढंग से वितरण कराया गया। अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने बिछिया इण्डेयन एजेंसी के वितरण स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

चिरहुलानाथ मंदिर का होगा विस्तार, अन्न क्षेत्र कॉरिडोर और प्रवचन हॉल का निर्माण कार्य शुरू

मीडिया ऑडीटर, रीवा (नप्र)। रीवा शहर के प्रसिद्ध चिरहुलानाथ मंदिर परिसर का अब बड़े धार्मिक स्थलों की तर्ज पर विस्तार किया जा रहा है। मंदिर में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए यहां अलग से अन्न क्षेत्र, कॉरिडोर, प्रवचन हाल और अन्य सुविधाओं का निर्माण कराया जा रहा है। सभी कार्य पूरे होने के बाद मंदिर परिसर और अधिक भव्य व आकर्षक नजर आएगा। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने अधिकारियों को

गुणवत्ता के साथ समय सीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए।

1.10 करोड़ से बनेगा प्रवचन हाल अधिकारियों ने बताया कि मुख्य मंदिर के पास करीब 1 करोड़ 10 लाख रुपए की लागत से प्रवचन हाल और पुजारियों के आवास का निर्माण कराया जा रहा है। कलेक्टर ने निर्माण एजेंसी को अगले छह माह में काम पूरा करने के निर्देश दिए। 58 मीटर लंबा कॉरिडोर बनेगा मुख्य सड़क से मंदिर तक श्रद्धालुओं के लिए 58 मीटर लंबा कॉरिडोर बनाया जा रहा है। यह कॉरिडोर चिरहुला तालाब के पास रिटर्निंग वॉल बनाकर तैयार किया जाएगा। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि कॉरिडोर में हरियाली और आकर्षक सजावट की व्यवस्था की जाए, जिससे श्रद्धालुओं को सुंदर और सुविधाजनक मार्ग मिल सके।

अलग बनेगा अन्न क्षेत्र मंदिर परिसर में बनी नई दुकानों के ऊपर लगभग 1 करोड़ रुपए की लागत से दो बड़े हाल बनाए जा रहे हैं। इनका उपयोग अन्न क्षेत्र के रूप में किया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि अलग अन्न क्षेत्र बनने से मंदिर परिसर की स्वच्छता बनी रहेगी और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिलेगी। पार्किंग और सड़क भी होगी चौड़ी कलेक्टर ने कहा कि पहले से बनी सड़क से अतिक्रमण हटाकर उसे चौड़ा किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को आने-जाने के लिए एक और सुगम मार्ग मिल सके।

नरवाई प्रबंधन पर कृषि विज्ञान केन्द्र में कार्यशाला आयोजित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (नप्र)। रबी फसल की कटाई से पूर्व फसल अवशेष (नरवाई) के समुचित प्रबंधन के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केन्द्र, रीवा में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में किसानों को नरवाई जलाने से होने वाले नुकसान, उसके पर्यावरणीय दुष्प्रभाव तथा शासन द्वारा निर्धारित दण्डात्मक प्रावधानों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही जिला दण्डाधिकारी द्वारा जारी प्रतिबंधात्मक आदेश का भी अवलोकन कराया गया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अजय पाण्डेय ने नरवाई प्रबंधन की आधुनिक तकनीकों तथा खेत में ही अवशेषों के प्रभावी निराकरण के तरीकों की जानकारी दी। उन्होंने किसानों को बताया कि फसल अवशेषों का वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन करने से मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है और पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलती है। कृषि अभियांत्रिकी विभाग द्वारा यांत्रिक विधियों से नरवाई प्रबंधन पर सारगर्भित प्रस्तुतीकरण दिया गया। इसमें किसानों को स्ट्रा रीपर, हैप्पी सीडर और सुपर सीडर जैसे कृषि यंत्रों के उपयोग के बारे में बताया गया तथा इन यंत्रों की सहायता से खेत में ही नरवाई के उचित निपटान के लिए प्रेरित किया गया। उप संचालक कृषि ने किसानों को नरवाई जलाने से होने वाले नुकसान और लगाए जाने वाले जुर्माने के बारे में अवगत कराया। उन्होंने किसानों से अपील की कि गेहूँ फसल की कटाई के बाद खेतों में आग न लगाएं, बल्कि स्ट्रा रीपर जैसे यंत्रों से भूसा बनाकर उसका उपयोग करें। कार्यशाला में संभागीय कृषि यंत्री, रीवा एवं शहडोल संभाग के सहायक कृषि यंत्री, कृषि विज्ञान केन्द्र के विशेषज्ञों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

हनुमान जी मंदिर, अनंतपुर में होली मिलन एवं फाग सम्मेलन का वृहद आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (नप्र)। श्री हनुमान जी मंदिर, अनंतपुर में इस वर्ष भी विगत वर्षों की भांति होली मिलन एवं फाग सम्मेलन का भव्य आयोजन 14 मार्च 2026 को किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत शाम 4:00 बजे से होगी, जिसमें कई मंडलियाँ अपने समूह के साथ फागुन के विभिन्न रंगों को प्रस्तुत करेंगी। गायन में नारदी फाग, डागा बैसवारा, तीन ताला, दह का बुंदेली सहित कई अन्य प्रकार के फाग का संगान होगा। इस विशेष आयोजन में महिला मंडल की विशेष प्रस्तुति भी देखने को मिलेगी, जो कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएगी। आयोजक मंडल ने श्रोताओं और गायकों सहित सभी बहन-भाइयों को आमंत्रित किया है। यह

नईगढ़ी थाना के नए प्रभारी बने ऋषि कुमार द्विवेदी एसपी की सख्ती के बाद मिली नई तैनाती

मीडिया ऑडीटर,मऊगंज (नप्र)। मऊगंज में ऋषि कुमार द्विवेदी को नईगढ़ी थाना का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है उन्होंने गुरुवार देर शाम थाने में पहुंचकर अपना पदभार संभाला यह पद पिछले दो दिनों से रिक्त था, जिसके बाद यह नई तैनाती की गई है। पदभार संभालने के बाद नवनियुक्त थाना प्रभारी द्विवेदी ने अपनी प्राथमिकताएं बताईं उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना, मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी रोक लगाना और असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना उनकी मुख्य प्राथमिकता होगी। द्विवेदी ने पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर इलाके में सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। लापरवाही पर पूर्व टीआई गोविंद तिवारी लाइन अटैच यह नियुक्ति हाल ही में हुई एक प्रशासनिक कार्रवाई के बाद की गई है। मऊगंज जिले के पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी ने पूर्व थाना प्रभारी गोविंद प्रसाद तिवारी को कर्तव्य में लापरवाही और न्यायालयीन आदेशों की अवहेलना के आरोप में लाइन अटैच कर दिया था यह कार्रवाई मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर खंडपीठ के निर्देशों का पालन न होने के मामले में की गई थी सीधी से मऊगंज आए टीआई को नईगढ़ी की जिम्मेदारी ऋषि कुमार द्विवेदी के पास पुलिस सेवा का लंबा अनुभव है वे पूर्व में सीधी जिले के कई थानों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं 26 दिसंबर 2025 को उनका स्थानांतरण सीधी से मऊगंज पुलिस लाइन में हुआ था इसके बाद, 2 जनवरी को उन्हें शाहपुर थाना में पदस्थ किया गया था अब 12 मार्च को जारी आदेश के तहत उन्हें नईगढ़ी थाने की कमान सौंपी गई है।

रीवा में घरेलू गैस सिलेंडर के लिए लंबी लाइन :गोदामों में अधिकारियों की ड्यूटी, कलेक्टर की अपील- कालाबाजारी वालों के झांसे में न आए

मीडिया ऑडीटर, रीवा (नप्र)। शहर में घरेलू गैस सिलेंडर को लेकर उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ गई है। कई गैस गोदामों के बाहर सुबह से लंबी कतारें लग रही हैं। अजगरहा स्थित गैस गोदाम में करीब 1 किलोमीटर लंबी लाइन लग गई, जबकि मैदानी इलाके में भी उपभोक्ताओं की भीड़ देखी जा रही है। स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने वितरण व्यवस्था संभालने के लिए शहर के विभिन्न एलपीजी गैस गोदामों में राजस्व और पुलिस अधिकारियों की ड्यूटी लगा दी है। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने लोगों से कालाबाजारी करने वाले दलालों के झांसे में न आने की अपील की है और पुलिस अधिकारियों को फील्ड में रहकर सूचना मिलते ही कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। गैस सिलेंडर की मांग बढ़ने के कारण कई जगहों पर उपभोक्ताओं को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। अजगरहा गैस

गोदाम में लगभग 1 किलोमीटर लंबी लाइन लगने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं मैदानी क्षेत्र में भी सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग सिलेंडर लेने के लिए कतार में खड़े नजर आए।

गोदामों में अधिकारियों की ड्यूटी: कलेक्टर कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार शहर के प्रमुख गैस गोदामों में राजस्व और पुलिस अधिकारियों की तैनाती की गई है, जो वितरण व्यवस्था की निगरानी करेंगे। **सुबह 8 बजे से होगी निगरानी:** आदेश के अनुसार नियुक्त राजस्व अधिकारी प्रतिदिन सुबह 8 बजे से अपने-अपने गैस गोदामों में 5 कर्मचारियों के साथ मौजूद रहेंगे। वे गैस सिलेंडरों की निकासी, वितरण और स्टॉक की निगरानी करेंगे। साथ ही गैस की आवक और वितरण की जानकारी प्रतिदिन उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी। प्रशासन का कहना है कि इस व्यवस्था से गैस वितरण प्रणाली को व्यवस्थित करने और उपभोक्ताओं को समय पर सिलेंडर उपलब्ध कराने का

पवार इंडेन, रीवा
राजस्व अधिकारी: विंध्या मिश्रा, तहसीलदार हुजूर
पुलिस अधिकारी: निरीक्षक थाना समान
रीवा गैस सर्विस, रीवा
राजस्व अधिकारी: दिलीप श्रीवास्तव, नायब तहसीलदार
पुलिस अधिकारी: निरीक्षक थाना चोरहटा
बिछिया इंडेन, रीवा
राजस्व अधिकारी: तेजपति सिंह, नायब तहसीलदार
पुलिस अधिकारी: निरीक्षक थाना बिछिया
पॉपुलर इंडेन, रीवा
राजस्व अधिकारी: अरुण यादव, तहसीलदार गुढ़
पुलिस अधिकारी: निरीक्षक थाना विश्वविद्यालय
पुष्कर गैस, रीवा
राजस्व अधिकारी: यतीश शुक्ला, वर्तिका गैस, रीवा
राजस्व अधिकारी: राजीव शुक्ला, नायब तहसीलदार
पुलिसअधिकारी: निरीक्षक थाना अमहिया ।

संभागीय आईटीआई रोजगार मेला 18 मार्च को

मीडिया ऑडीटर, रीवा (नप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल के निर्देशन में युवा संगम कार्यक्रम के तहत संभागीय आईटीआई रीवा में 18 मार्च को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक वृहद रोजगार मेला आयोजित किया जायेगा। रोजगार मेले में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। रोजगार मेले में 16 कंपनियों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों में युवक एवं युवतियों की आयु सीमा तथा शैक्षणिक योग्यता अलग-अलग निर्धारित की गई है। कक्षा 8वीं, 10वीं, 12वीं , स्नातक, स्नातकोत्तर, एमबीए, आईटीआई डिप्लोमा मैकेनिकल इंजीनियरिंग तथा बीई मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल उतीर्ण युवा जिन्हें अलग-अलग कंपनियों में वेतन एवं भत्ते 7000 रुपए से 35 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। युवाओ को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा। उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में फ्लैश ईवी प्लांट सावरदारी चाकन, फ्लैश इलेक्ट्रानिक्स एचपी चौक चाकन टेनेको फेडरल म्हालुंगे चाकन सीएनएच न्यू हॉलैंड प्लांट चाकन महिंद्रा एण्ड महिन्द्रा लि. पीथमपुर टेनेको क्लीन एयर इंडिया लि. पीथमपुर धूत ट्रांसमिशन लि. पीथमपुर मद्रास रबर फैक्ट्री दहेज गुजरात मदरसन ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग सानंद गुजरात, एंडयोरेंस सानंद गुजरात, मदरसन ग्रुप नोएडा कमिंस इंडिया प्रा.लि. पुणे जिंदल साउथ वेस्ट संभाजी नगर, चैतन्या इंडिया फिन केडिट प्रा.लि. रीवा सीआईआई-एमसीसी गुजरात तथा मिग्मा पैकट्रॉन प्रा.लि. इंदौर की कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे।

टीआरएस महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर होगा विमर्श

मीडिया ऑडीटर, रीवा (नप्र)। शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा के समाजशास्त्र विभाग द्वारा 14-15 मार्च 2026 को दो दिवसीय राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी के निर्देशन में किया जा रहा है। संगोष्ठी का विषय 'भारतीय समाज में विविधता में एकता : राष्ट्रीय शिक्षा नीति, राष्ट्रीय एकता एवं सामाजिक समरसता' रखा गया है। इस संगोष्ठी का उद्देश्य भारतीय समाज की बहुलतावादी संरचना, राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भूमिका तथा सामाजिक समरसता के

विभिन्न आयामों पर विद्वानों के बीच गंभीर अकादमिक विमर्श को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र 14 मार्च को प्रातः 11 बजे आयोजित किया जाएगा। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा विभाग, रीवा संभाग के अतिरिक्त संचालक डॉ. आर. पी. सिंह होंगे। मुख्य वक्ता के रूप में इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष सक्सेना अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी करेंगी, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सी.एम.पी. कॉलेज, प्रयागराज की प्राध्यापक डॉ. विजय लक्ष्मी सक्सेना उपस्थित रहेंगी। संगोष्ठी के संयोजक समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. अखिलेश शुक्ल तथा सह-संयोजक डॉ. महानंद द्विवेदी हैं। उद्घाटन सत्र में संगोष्ठी के अंतर्गत प्रकाशित आईएसबीएन युक्त संदर्भ पुस्तक (प्रोसीडिंग) का भी अतिथियों द्वारा विमोचन किया जाएगा। इस पुस्तक में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के शोधार्थियों और प्राध्यापकों के शोध-पत्र संकलित किए गए हैं। उद्घाटन सत्र के पश्चात संगोष्ठी का प्रथम अकादमिक सत्र दोपहर 12:30 से 1:30 बजे तक आयोजित होगा। इसके बाद द्वितीय अकादमिक सत्र दोपहर 2:30 से 3:30 बजे तथा तृतीय अकादमिक सत्र सायं 4:00 से 5:00 बजे तक ऑनलाइन माध्यम से संपन्न होगा। संगोष्ठी के दूसरे दिन भी दो अकादमिक सत्रों का आयोजन किया जाएगा, जिसके पश्चात समापन सत्र आयोजित कर कार्यक्रम का औपचारिक समापन किया जाएगा।

नगर पालिक निगम, रीवा (म0प्र0) द्वारा आयोजित नेशनल लोक अदालत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (नप्र)। नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 मार्च 2026, शनिवार को नगर निगम कार्यालय सहित चारों जोन कार्यालयों में किया जाएगा। इस अवसर पर संपत्तिकर और जलकर बकाया भुगतान पर 25 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत तक विशेष छूट दी जाएगी। लोक अदालत सुबह 10 बजे से लेकर शाम 6 बजे तक आयोजित की जाएगी। संपत्तिकर और जलकर के बकायादारों को नोटिस जारी कर बकाया राशि जमा करने की सूचना दी गई है। यदि बकायादार लोक अदालत के माध्यम से करों का भुगतान नहीं करते हैं, तो उनके खिलाफ नगर निगम द्वारा तालाबंदी और कुर्की की कार्यवाही की जाएगी। इसके अलावा, जो नागरिक स्वयं के निवास का संपत्तिकर इस वर्ष जमा करेंगे, उन्हें 50 प्रतिशत की विशेष छूट प्रदान की जा रही है। यह अवसर नागरिकों को बकाया करों का भुगतान आसानी से करने का मौका प्रदान करेगा। नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाकर अपने बकाया करों का निपटान करें, ताकि वे अतिरिक्त शुल्क और वैधानिक कार्रवाई से बच सकें। लोक अदालत नगर पालिक निगम कार्यालय टाऊन हाल पर आयोजित होगी, जहाँ करदाता अधिभार में छूट का लाभ उठा सकते हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।